mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-130 | पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

13 मई 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

विराट कोहली के टेस्ट...

@ पेज 7

पीएम मोदी ने आतंकियों को पालने वाले देश को दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बात पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आतंकवादी से निपटने की नई नीतियों का ऐलान किया साथ ही ये भी कहा कि अगर पाकिस्तान से भविष्य में कभी बात भी होगी तो वह

● पाकिस्तान को अगर बचना है तो क्या करना होगा?

टेररिज्म और पीओके को लेकर होगी। उन्होंने पड़ोसी मुल्क को चेतावनी देते हुए कहा कि पाकिस्तान को अगर बचना है तो उसे अपने टैरर इंफ्रास्ट्रक्चर का सफाया करना ही होगा। इसके अलावा शांति का कोई रास्ता नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी का भाषण बिल्कुल स्पष्ट था कि

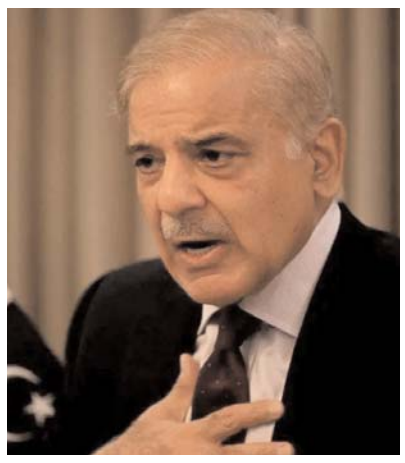

पाकिस्तान अगर अपने यहां आतंकियों को पनाह देने बंद नहीं करता है तो उसे इसका और अधिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत का मत एकदम स्पष्ट है, टैरर और टॉक, एक साथ नहीं हो सकते, टैरर और ट्रेड, एक साथ नहीं चल सकते। और पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकता। पीएम मोदी ने कहा-%हमारी घोषित नीति रही है, अगर पाकिस्तान से बात होगी, तो टेररिज्म पर ही होगी, अगर पाकिस्तान से बात होगी, तो पाकिस्तान ऑक्यूपाइड कश्मीर, क्क्ष्य उस पर ही होगी।%

पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा-÷ यह सिर्फ नाम नहीं है, ये देश के कोटि-कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। 'ऑपरेशन सिंदूर' न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। 6 मई की देर रात, 7 मई की सुबह, पूरी दुनिया ने इस प्रतिज्ञा को परिणाम में बदलते देखा है। भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों पर, उनके ट्रेनिंग सेंटर्स पर सटीक प्रहार किया। आतंकियों ने सपने में भी नहीं सोचा था कि भारत इतना बड़ा फैसला ले सकता है। लेकिन जब देश एकजुट होता है, नेशन फर्स्ट की भावना से भरा होता है, राष्ट्र सर्वोपरि होता है, तो फौलादी फैसले लिए जाते हैं, परिणाम लाकर दिखाए जाते हैं।÷

पीएम मोदी ने कहा, ÷आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, इसलिए भारत ने आतंक के ये हेडक्वार्ट्स उजाड़ दिए। भारत के इन हमलों में 100 से अधिक खूंखार आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा गया है। आतंक के बहुत सारे आका, बीते ढाई-तीन दशकों से खुलेआम पाकिस्तान में घूम रहे थे, जो भारत के खिलाफ साजिशें करते थे, उन्हें भारत ने एक झटके में खत्म कर दिया।÷

संक्षिप्त समाचार

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर नहीं होता तो परमाणु युद्ध हो जाताः ट्रंप

अमेरिका (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में कहा कि अगर भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर नहीं होता तो परमाणु युद्ध हो जाता। डोनाल्ड ट्रंप का यह संबोधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन से ठीक पहले हुआ। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देश परमाणु युद्ध के मुहाने पर आ गए थे। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व की तारीफ की कहा कि वे हालात की गंभीरता को पूरी तरह से समझ सके। उन्होंने कहा कि हम दोनों देशों के साथ

ट्रेड में मदद करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर यह संघर्ष नहीं रुका तो हम व्यापार में मदद नहीं करेंगे। भारत-पाकिस्तान सीजफायर पर उन्होंने कहा कि अगर दोनों देशों के बीच अगर युद्ध बढ़ता तो यह एक बुरा परमाणु युद्ध हो सकता था। लाखों लोग मारे जा सकते थे। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भी धन्यवाद दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को वार्ता के बाद सैन्य कार्रवाई और गोलीबारी रोकने के लिए सहमति बनी। नई दिल्ली में भारत सरकार के सूत्रों का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमति बन गई है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं था। ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच काफी तनाव था और ऐसा लग रहा था कि यह रुकने वाला नहीं है।

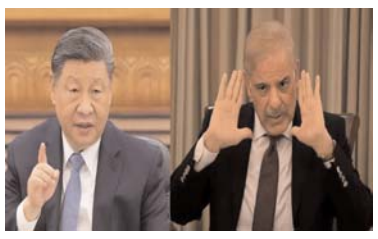

चीन ने पाकिस्तान को हथियारों से भरा विमान भेजने की खबरों का किया खंडन, दी सफाई

बीजिंग (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर के बाद चीन की ओर से बड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। चीन की सेना ने सोमवार को उन खबरों का खंडन किया कि उसके सबसे बड़े सैन्य मालवाहक विमान ने पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति की है। चीनी सेना ने ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स (पीएलएएफ) ने इस बात से इनकार किया है कि उसके शीआन वाई-20 सैन्य परिवहन विमान ने पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति की है। चीनी रक्षा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर सोमवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया कि इंटरनेट पर ''वाई-20 द्वारा पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति'' के बारे में काफी सूचनाएं देखने के बाद, वायु सेना ने एक बयान में कहा कि इस तरह के दावे झूठे हैं। पीएलएएफ ने गलत जानकारी से संबंधित कई फोटो और शब्दों के स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किए, प्रत्येक स्क्रीनशॉट को लाल रंग से 'अफवाह' लिख कर चिह्नित किया गया। रिपोर्ट में कहा गया, ''इंटरनेट कानून से परे नहीं है। जो लोग सैन्य संबंधी अफवाहें फैलाते हैं, उन्हें कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा।'' पीएलए के पाकिस्तानी सेना के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। पीएलए द्वारा किया गया यह खंडन महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि 2 दिन पहले ही भारत और पाकिस्तान के बीच सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयां रोकने पर सहमति बनी थी।

जहरीले धुएं के संपर्क आने से परिवार के 4 सदस्य की बिगड़ी तबीयत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली के संगम पार्क इलाके में सोमवार को एक विनिर्माण इकाई में कथित तौर पर जहरीले धुएं के संपर्क में आने से एक ही परिवार के चार सदस्य बीमार पड़ गए। पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, संगम पार्क स्थित 'डीएसआईडीसी शेड' नंबर 63 में बाइक के हॉर्न बनाने वाली एक इकाई के मालिक हरदीप सिंह अपनी पत्नी हरप्रीत कौर (38), बेटे जगदीश सिंह (16) और बेटी हरगुल कौर (15) के साथ सुबह शेड पर पहुंचे थे। पुलिस ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी तब मिली जब पीड़ित बच्चों में से एक ने अपने रिश्तेदारों को सूचित किया, जिन्होंने तुरंत पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को बुलाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि चारों की हालत खराब थी। अधिकारी ने बताया कि हरदीप सिंह, जगदीश सिंह और हरगुल कौर को इलाज के लिए हिंदू राव अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि हरप्रीत कौर को दीप चंद बंधु अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि चारों को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है और उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर शेड को सील कर दिया है और इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

युद्धविराम के बाद पाकिस्तान को पीएम मोदी की चेतावनी

'परमाणु ब्लैकमेल को नहीं किया जाएगा बर्दाश्त'

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने दुश्मन देश पाकिस्तान को कई बड़े संदेश दिए। पीएम मोदी ने भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच कहा कि भारत किसी भी तरह के परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। पाकिस्तान को साफ संदेश देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि परमाणु ब्लैकमेल के तहत संचालित आतंकवादी ढांचे को भारत निशाना बनाएगा।

आतंकवाद पर भारत के कड़े रुख पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपने ऊपर होने वाले किसी भी आतंकवादी हमले का मुंहतोड़ जवाब देगा। पीएम ने कहा, %हम आतंकवाद को समर्थन देने वाली सरकार और आतंकवादियों को अलग-अलग इकाई के रूप में नहीं देखेंगे।%

प्रधानमंत्री मोदी का आज का यह भाषण पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े संघर्ष को लेकर है। भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ हफ्तों में युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी भारत पर हमला करने की कोशिश की जिसे भारतीय सेना ने पूरी तरह नाकाम कर दिया।

भारत-पाकिस्तान के बीच बनते युद्ध जैसे हालात के बाद युद्धविराम का ऐलान किया गया। भारत और पाकिस्तान के बीच डीजीएमओ स्तर पर इसको लेकर बात हुई। तब जाकर दोनों देशों ने युद्धविराम की घोषणा की।

लव मैरिज की बेटे ने, मौत की सजा मिली बाप को

मधुबनी (एजेंसी)। बिहार के मधुबनी में एक लड़के को लव मैरिज करना भारी पड़ गया। उसके

ससुराल के लोगों ने पीट-पीटकर उसके पिता की हत्या कर दी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। ससुराल के लोगों ने लड़की की मां के साथ भी मारपीट की थी, लेकिन उनकी जान बच गई। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।मधुबनी जिले के लौकही थाना क्षेत्र की है। यहां पुत्री के प्रेम विवाह से नाराज परिजनों ने प्रेमी के पिता की पीट पीटकर हत्या कर दी। मनसापुर गांव में प्रेम विवाह से नाराज लड़की के पिता, दादा रविन्द्र चौधरी, भाई रूपेश चौधरी और शक्षम चौधरी, लड़की पुष्पा की मां अनीता देवी और अन्य लोगों ने लड़का सूरज दास के पिता नीरज दास और उसकी माता रेणु देवी की पिटाई कर दी। पिटाई से लड़के के पिता नीरज दास की इलाज के दौरान डीएमसीएच में मौत हो गई। जिसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

भाजपा नेता नवनीत राणा और उनके पति रवि को जान से मारने की धमकी

पाकिस्तानी नंबर से आया फोन

मुंबई (एजेंसी)। भाजपा नेता नवनीत राणा को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें बीती रात लगभग 2 बजे के आसपास 8 से 9 फोन किए गए, वहीं उनके पति रवि राणा को भी धमकी भरे फोन रिसीव हुए। नवनीत राणा के एक करीबी ने बताया कि पाकिस्तानी नंबर से अलग-अलग फोन आए थे।

फिलहाल नवनीत राणा की तरफ से मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में केस रजिस्टर कराया जा रहा है। फोन करने वाले ने धमकी देते हुए कहा, %हिंदू शेरनी तू कुछ दिनों की मेहमान है, ना तेरा सिंदूर बचेगा और न सिंदूर लगाने वाला।% फिलहाल मुंबई पुलिस दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर जांच करेगी।

नवनीत कौर राणा एक पूर्व अभिनेत्री और राजनेता हैं। उनका जन्म मुंबई में एक पंजाबी परिवार में हुआ, और उनके पिता सेना में अधिकारी थे। उन्होंने राजनीति से पहले तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी और हिंदी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने कई म्यूजिक एल्बम में भी काम किया है। उन्होंने 2014 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ह्ष्टक्क) के टिकट पर अमरावती से लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। साल 2019 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अमरावती से लोकसभा चुनाव जीता, जिसमें कांग्रेस और ह्ष्टक्क ने समर्थन दिया। 2024 में बीजेपी के

टिकट पर अमरावती से चुनाव लड़ा, लेकिन कांग्रेस से हार गईं। वह अपने बयानों की वजह से अक्सर चर्चा में रहती हैं।

रवि, नवनीत के पति हैं। वह अमरावती के बडनेरा से विधायक हैं। उन्होंने अमरावती कॉलेज से बीकॉम की डिग्री हासिल की। वह 2009, 2014 और 2019 में बडनेरा से विधायक चुने गए। वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाते हैं। नवनीत और रवि की मुलाकात 2009-2011 के बीच बाबा रामदेव के योग शिविर में हुई, जहां उनकी दोस्ती प्यार में बदली। रवि और नवनीत दोनों ही अपने बयानों और हिंदूवादी छवि की वजह से चर्चा में रहते हैं।

हॉटलाइन पर राजीव घई और कासिम अब्दुल्ला

जानिए युद्धविराम को लेकर भारत-पाक के बीच क्या हुई बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस ने सैन्य कार्रवाई और गोलीबारी रोकने के लिए दोनों पक्षों के बीच 10 मई को बनी सहमति के विभिन्न पहलुओं पर सोमवार को विचार-विमर्श किया। हॉटलाइन पर भारत के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई और पाकिस्तान के डीजीएमओ जनरल कासिम अब्दुल्ला की यह बातचीत पहले दोपहर 12 बजे होनी थी।

हालांकि, दोनों देशों के डीजीएसएमओ के बीच 12 मई को शाम 5ः00 बजे हॉटलाइन पर बातचीत हुई। युद्धविराम को जारी रखने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई कि दोनों पक्षों को एक भी गोली नहीं चलानी चाहिए। एक-दूसरे के खिलाफ कोई आक्रामक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई शुरू नहीं करनी चाहिए। इस बात पर भी सहमति हुई कि दोनों पक्ष सीमाओं और अग्रिम क्षेत्रों से सैनिकों की संख्या में कमी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपायों पर विचार करें।

दोनों डीजीएमओ के बीच शनिवार को हुई बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाई और

गोलीबारी रोकने के लिए सहमति की घोषणा की गई। यद्यपि शनिवार रात को पाकिस्तानी सेना द्वारा सहमति का उल्लंघन करने के मामले सामने आए, लेकिन रविवार रात को ऐसी कोई घटना नहीं हुई।

सेना ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, 'जम्मू कश्मीर और अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे अन्य क्षेत्रों में रात कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रही।' इसमें कहा गया, 'किसी घटना की सूचना नहीं मिली है, जो हाल के दिनों में पहली शांत रात है।'

डीजीएमओ की बात से कुछ घंटे पहले भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इसमें ऑपरेशन सिंदूर के विभिन्न पहलुओं पर जोर डाला गया। वायु अभियान महानिदेशक एयर मार्शल ए.के.भारती ने कहा, 'हमने दोहराया है कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों और (पाकिस्तान में) उनके बुनियादी ढांचे के खिलाफ थी। हालांकि, यह दुख की बात है कि पाकिस्तानी सेना ने हस्तक्षेप करने और आतंकवादियों का समर्थन करने का फैसला किया, जिसके कारण हमें उसी तरह जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ा।'

दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में बड़े प्राइवेट अस्पताल का विरोध

सड़कों पर उतरे लोग बोले- यहां कमर्शियल काम की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में एक बड़े प्राइवेट हॉस्पिटल के विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए हैं। लोगों का कहना है कि उन्हें इलाके में किसी भी तरह की कमर्शियल गतिविधि की जरूरत नहीं है और अस्पताल यहां नहीं बनना चाहिए। ग्रेटर कैलाश के लोगों का यह भी कहना है कि आसपास कई अच्छे अस्पताल मौजूद हैं। अगर नया 400 बेड का यह प्राइवेट हॉस्पिटल बनेगा तो इलाके में जाम और दूसरी समस्याएं पैदा हो जाएंगी। इसलिए वह इसका विरोध कर रहे हैं। अभी इस प्राइवेट हॉस्पिटल का निर्माण कार्य शुरुआती चरण में है।

इस प्राइवेट अस्पताल का निर्माण दो बड़े ग्रुप मिलकर कर रहे हैं। इसका विरोध करने वाले लोगों ने कहा कि अस्पताल खुलने से आसपास के इलाकों में कई मेडिकल स्टोर भी खुलेंगे और अन्य तरह

की दुकानें भी खुलेंगी। इससे पूरे इलाके में हमेशा वाहनों और लोगों की भीड़ रहेगी। इस वजह से यहां रहने वाले लोगों का जीवन मुश्किल हो जाएगा।

यहां प्रदर्शन करने वाले लोग हाथ में पोस्टर लेकर पहुंचे थे, जिनमें अस्पताल बनने से होने वाली समस्याओं के बारे में बताया गया था। लोगों ने पोस्टर के जरिए बताया कि अस्पताल बनने से फुटपाथ पर लोगों की भीड़ जमा रहेगी। लोग यहां दिन-रात बैठे रहेंगे। इससे ग्रेटर कैलाश दूसरा यूसुफ सराय बन जाएगा। दिल्ली के यूसुफ सराय मार्केट में अतिक्रमण बड़ी समस्या है। एक पोस्टर में लिखा गया था कि अस्पताल बनने से यहां की सड़कों पर हमेशा जाम रहेगा। लोगों ने कहा कि अस्पताल बनने पर यहां से एंबुलेंस गुजरेंगी और उसके सायरन से दिन-रात लोगों की नींद हराम होगी। लोगों ने कहा कि अस्पताल के बाहर लोग जिंदगी की जंग लड़ते रहते हैं।

पुलिस से बचने के लिए टावर पर चढ़ा रेप का आरोपी

मुरैना (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुरैना से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक रेप का आरोपी स्थानीय लोगों और पुलिस से बचने के लिए एक बिजली के टावर पर चढ़ गया और उसने खूब हाई वोल्टेज ड्रामा किया। इस पूरी घटना का ड्ढद्बष्ठश्वह्र भी सामने आया है, जिसमें युवक को बिजली के टावर पर चढ़ते हुए देखा जा सकता है। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से युवक को टावर से नीचे उतार लिया और रेप का मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। क्षेत्र के कुटरावली गांव से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन पर एक युवक के चढ़ने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही सैकड़ों ग्रामीण जमा हो गए। पीड़ित परिवार ने

बताया कि आरोपी युवक का नाम सोनू जाटव है और वह धोबीपुरा थाना चिन्नोनी का निवासी है। पीड़ित परिवार ने बताया कि गांव कुटरावली की एक महिला अपने ससुर को खेत पर खाना देने जा रही थी। इसी दौरान खरदिया नाले के पास नकाबपोश युवक ने महिला को पकड़ लिया और उसके साथ रेप किया। इस दौरान आरोपी युवक ने महिला के साथ मारपीट भी की।

सीमा पर तैनात जवानों के परिजनों से मिले मंत्री टेटवाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने सारंगपुर विधानसभा के ग्राम खासपुरा पहुंचकर राजस्थान के जैसलमेर में तैनात सेना के दो वीर जवानों श्री धर्मेन्द्र सिंह सोलंकी और श्री विजेन्द्र सिंह सोलंकी के परिजन से मुलाकात की। मंत्री श्री टेटवाल ने जवानों के परिजन का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया और उन्हें नमन करते हुए उनके बेटों की वीरता और समर्पण से देश सेवा के लिए आभार व्यक्त किया।

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि उनके सम्मान का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने माता-पिता से कहा कि आपके दो बेटे सीमा पर देश की सेवा कर रहे हैं और तीसरा बेटा मैं हूं, जो प्रदेश में सेवा करते हुए हर सैनिक परिवार के लिए हमेशा उपस्थित हूँ। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय सेना ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि भारत शांति में विश्वास करता है, लेकिन किसी भी आक्रामकता का उत्तर देने में सक्षम है। हमारे जवानों ने अपने अदम्य साहस और पराक्रम से यह साबित किया है कि वे न केवल सीमा की रक्षा करते हैं, बल्कि देश की अस्मिता और सम्मान की भी रक्षा करते हैं। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि सैनिकों के परिजन के प्रति हमारा कर्तव्य केवल सम्मान करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कृतज्ञता और सेवा का भी है। उन्होंने सारंगपुर क्षेत्र की वीरभूमि को नमन करते हुए कहा कि यहां की माटी ने ऐसे सपूत दिए हैं, जिन पर न केवल प्रदेश को, बल्कि पूरे देश को गर्व है। मंत्री श्री टेटवाल ने यह भी कहा कि सैनिकों का सम्मान केवल समारोहों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके परिवारों को यह विश्वास दिलाना भी ज़रूरी है कि सरकार और समाज हर परिस्थिति में उनके साथ है।

प्रोत्साहन राशि की घोषणा का परिणाम, 77.74 लाख मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जित- खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों के हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस की घोषणा के परिणामस्वरूप इस वर्ष लगभग 9 लाख किसानों से 77 लाख 74 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष 48 लाख 38 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ था। मंत्री श्री राजपूत ने किसानों के हित में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिये गये बोनस पर उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि गेहूँ के उपार्जन में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि किसानों से उपार्जित गेहूँ में से 73 लाख 51 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ का सुरक्षित भण्डारण भी किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक लगभग 17 हजार 870 करोड़ रूपये से अधिक का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया गया है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की गयी।

सुरक्षा या छलावा...कहीं एक्सपायर्ड अग्निशामक, कहीं गायब

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गर्मी के मौसम में अक्सर आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसके बाद भी शहर में अधिकांश सार्वजनिक जगहों पर आग से बचाव के सही इंतजाम नहीं है। फायर सेफ्टी के नाम पर सिर्फ औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं, कहीं एक्सपायर्ड अग्निशामक लटके हैं, तो कहीं उनकी मौजूदगी तक नहीं। यहां तक कि अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले भोपाल रेलवे स्टेशन पर भी इस संबंध में लापरवाही का आलम है। शहर के तमाम स्कूल-कॉलेज, नगर-निगम के जोनल कार्यालय और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। ने जब शहर के कुछ सार्वजनिक स्थानों का मुआयना किया तो ये खौफनाक हकीकत सामने आई।

जनजातीय कला और शिल्प हमारी लोक संस्कृति की अनमोल धरोहर-राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजातीय द्वारा सदियों से संरक्षित खान-पान, लोक कलाएं, शिल्प, वस्त्र, आभूषण, उपकरण और चिकित्सा पद्धतियां सभी हमारी अनमोल धरोहर है। हमारी इस लोक संस्कृति का संरक्षण और प्रोत्साहन समाज का दायित्व है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समुदाय की सतत आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित मौलिक, स्वाभाविक, कला, शिल्प और संस्कृति की सृजनशीलता को निखार कर व्यवसायिक बनाने के प्रयासों की सराहना की है। राज्यपाल श्री पटेल तीन दिवसीय शिल्प ग्राम महोत्सव के समापन कार्यक्रम को रवीन्द्र भवन में संबोधित कर रहे थे। महोत्सव का आयोजन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा वन्या प्रकाशन, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट के समन्वय से किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने समापन कार्यक्रम के पूर्व सभागार में उपस्थित कलाकारों के पास पहुंचे और समक्ष में उनसे चर्चा की। कार्यक्रम में राज्यपाल को बैतूल जिले के शिल्पकारों की बेल मेटल से बनी जनजातीय कलाकृति स्मृति प्रतीक के रूप में और महोत्सव के प्रशिक्षणार्थी शिल्पियों, कलाकारों द्वारा निर्मित उत्पादों का सेट भेंट किए गए। राज्यपाल का वरिष्ठ गोंड कलाकार श्री आनंद श्याम ने पारंपरिक गोंड परंपरा के अनुसार साफा और बीरन

माला से स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समुदाय को सक्षम बना कर उनके विकास और खुशहाली के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। पूरे देश में जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों के सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर को उठाने, स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे में सुधार और आजीविका के कार्य %धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान% के तहत किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की अति पिछड़ी जनजातियों जिनमें राज्य के बैगा, भारिया, सहरिया जनजातीय समुदाय शामिल हैं, उनके लिए जनमन योजना के तहत सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पोषण, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए हैं।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनजाति समुदाय की आनुवंशिक बीमारी सिकल सेल को वर्ष 2047 तक समाप्त करने का संकल्प किया है। संकल्प की सफलता के लिए सरकार और समाज को मिलकर आगे आना होगा। राज्य सरकार द्वारा अभियान के रूप में कार्यवाही करते हुए प्रदेश की 1 करोड़ 6 लाख जनजातीय बहनों-भाईयों की स्क्रीनिंग कर ली है। स्क्रीनिंग में 2 लाख 6 हजार से अधिक वाहक और 28 हजार से अधिक रोगी मिले है। सभी को आवश्यक उपचार दिया जा रहा है। सिकल सेल की गर्भावस्था में और प्रसूति के 72 घन्टों के भीतर नवजात की जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध करा दी गई है। वर्ष 2047 तक रोग उन्मूलन के लिए समुदाय को दो बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। पहली, हर गर्भवती महिला की गर्भावस्था में और नवजात शिशु की 72 घन्टों के भीतर जांच हो जाए। दूसरी, जेनेटिक कार्ड मिलाकर ही विवाह संबंध तय किए जाए। किसी एक के रोगी, वाहक होने पर विवाह किया जा सकता है, किन्तु रोगी युवक-युवती का आपस में विवाह नहीं होना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने जनजातीय समुदाय के गौरव रानी दुर्गावती और बिरसा मुण्डा का संदर्भ देते हुए कहा कि समुदाय को उनके गौरव से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के प्रयास करने होंगे।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर तासी शेरपा को 5 साल का कठोर कारावास

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर तासी शेरपा को 9 साल की जाँच के बाद ट्रॉयल कोर्ट नर्मदापुरम ने 9 मई, 2025 को सुनवाई के बाद 5 साल के कठोर कारावास और एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। तस्कर तासी शेरपा को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल में 25 जनवरी, 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम में जुलाई-2015 में बाघ के अवैध शिकार और बाघ की हड्डियों की चीन में अवैध तस्करी के प्रकरण में अपराधी तस्कर तासी शेरपा को स्टेट टाइगर फोर्स को विवेचना के लिये सौंपा गया था। स्टेट टाइगर फोर्स ने एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी नर्मदापुरम ने 27 आरोपियों को दोषी ठहराया था। स्टेट टाइगर फोर्स ने वैज्ञानिक विवेचना करते हुए तासी शेरपा के ब्रेन मेपिंग और नार्को एनालिसिस करवाया। इससे उसके खिलाफ महत्वूर्ण सबूत मिले, जिसके अतिरिक्त साइबर डेटा भी एकत्रित कर न्यायालय में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में पेश किया गया। जाँच के दौरान एसटीएसएफ ने इंटरपोल, वन्य-जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों से सहायता भी ली गयी। तासी शेरपा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्करी गिरोह की महत्वपूर्ण कड़ी है। इसका नेटवर्क भारत, नेपाल, भूटान और चीन तक फैला हुआ है। तासी शेरपा मूल रूप से तिब्बत का निवासी है। शेरपा की जमानत को मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय जबलपुर ने खारिज कर दिया था। इसके बाद जुलाई-2024 में उसके द्वारा सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में जमानत याचिका दायर की गयी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने भी याचिका को खारिज कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रॉयल कोर्ट को एक साल के भीतर ट्रॉयल पूरा करने के निर्देश दिये थे। यह देश का पहला मामला है, जिसमें शिकारियों, कुरियर, बिचौलियों और तस्करों सहित 28 व्यक्तियों के पूरे गिरोह को गिरफ्तार कर दोषी ठहराया गया। इसमें एक अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर तासी शेरपा पर सफलतापूर्वक मुकदमा चलाकर दोषी ठहराया गया। इस कार्य में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी नर्मदापुरम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जल संरचनाओं के स्थल चयन के लिये जीआईएस तकनीक का उपयोग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संचयन और जल संरक्षण को लेकर विभिन्न गतिविधियाँ जन-भागीदारी के साथ की जा रही हैं। ग्राम पंचायतों में तालाब गहरीकरण और नये तालाबों के निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने रुचि प्रकट की है। इसके साथ ही गाँव तक पहुँचने वाली नहरों की सफाई के कार्य को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

यह अभियान प्रदेश में 30 जून तक संचालित होगा। ग्वालियर जिले में वर्षा जल सहेजने के लिये हर ग्राम पंचायत में 4-4 कुओं को रिचार्ज करने का लक्ष्य रखा गया है। लम्बे समय तक पेयजल के प्रमुख स्रोत रहे ऐसे कुएँ, जो सूख चुके हैं, उन्हें रिचार्ज किया जा रहा है। जिले में 965 संरचनाएँ चिन्हित की गयी हैं, जहाँ काम शुरू कर दिया गया है। इस वर्ष 15 नये अमृत सरोवर स्थल चिन्हित किये गये हैं। इनमें से 6 कार्यों की स्वीकृति भी जारी कर दी गयी है। मनरेगा में खेत-तालाबों को भी मंजूरी दी गयी है। खेत-तालाब के स्थल चयन के लिये जीआईएस तकनीक की मदद ली गयी है। इससे पानी की उपलब्धता की जानकारी मिलती है। कटनी जिले के ग्राम खरखरी में जल चौपाल लगाकर ग्रामवासियों ने बावड़ी के संरक्षण की योजना तैयार की है। नवांकुर संस्था ने जल संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिये गाँव-गाँव में जन-जागरूकता अभियान चलाया है। जिले में प्राचीन बावड़ियों को संरक्षित करने के उद्देश्य से जन-भागीदारी से साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है।

नरसिंहपुर जिले के कई ग्रामों में नदी-नालों एवं झरनों में बोरी-बंधान कर बहते जल को रोककर उसका उपयोग किया जा रहा है। ग्राम पंचायत अंडिया-डोंगरगाँव की शेढ़ नदी में जन-समुदाय की सहभागिता से तीन सौ बोरी-बंधान बनाये गये है। बोरी-बंधान के माध्यम से नदी में बहते पानी को रोका गया और 3 फुट पानी का ठहराव हुआ।

पानी का ठहराव होने से किसानों, नागरिकों और पशु-पक्षियों को भरपूर पानी मिलेगा। यह कार्य विकासखण्ड नरसिंहपुर की नवांकुर संस्था और नागरिकों की सहभागिता से किया गया। खरगोन जिले के भगवानपुरा में गोमुख नदी की साफ-सफाई की गयी। यह कार्य 30 जून तक चलेगा। कार्य के साथ नागरिकों को जल को सहेजने की शपथ दिलायी गयी।

शिवराज बोले-ऑपरेशन सिंदूर का संदेश,अब भारत सहन नहीं करेगा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेनाओं द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत की सेनाओं की तारीफ की है।

शिवराज ने एक्स पर लिखा- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी और सशक्त नेतृत्व में भारत ने पहलगाम हमले का जो उत्तर दिया, वह इतिहास के पन्नों में साहस, संयम और रणनीति का स्वर्णिम अध्याय बन गया है। प्रधानमंत्री जी ने भारत की जवाबी कार्रवाई की एक ऐसी रूपरेखा तैयार की, जिसमें रणनीतिक सूझबूझ, सैन्य समन्वय और वैश्विक संदेश शामिल थे। शिवराज ने लिखा- सिंधु जल संधि को निलंबित किया गया। थलसेना, वायुसेना और नौसेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया] जिसमें पाकिस्तान के 11 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। सैकड़ों ड्रोन और मिसाइल प्लेटफॉर्म तबाह किए गए और जैश, लश्कर व हिजबुल जैसे आतंकवादी संगठनों के 9 कमांड सेंटर पूरी तरह समाप्त कर दिए गए। शिवराज ने आगे लिखा-इस पूरे अभियान में एक बात और भी स्पष्ट हुई कि भारत ने कभी भी पाकिस्तान के आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया और अपने हर कदम को कानूनी तथा नैतिक रूप से उचित बनाए रखा।

निजी क्षेत्र के सहयोग से वन्यप्राणी संरक्षण करेगी सरकार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश सरकार अब निजी क्षेत्र के सहयोग से वन्यप्राणियों का संरक्षण करेगी। इसके लिए वन विभाग ने नीति का प्रारूप तैयार कर लिया है, जो अनुमोदन के लिए कैबिनेट को भेजा है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए सीएसआर (कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) के अंतर्गत अनुदान लेकर काम कराए जा सकेंगे। ऐसा तब किया जा रहा है, जब निजी क्षेत्र के सहयोग से बिगड़े वनों के सुधार की नीति का खुलकर विरोध हो रहा है।

वन विभाग द्वारा प्रदेश के बिगड़े वनों के सुधार के लिए दो माह पहले नीति लाई गई थी। इसके बाद आरएसएस से जुड़े वनवासी विकास संघ और अन्य आदिवासी संगठनों ने इसका विरोध किया था। इसको लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात करके कहा था कि ऐसे में वनों का संरक्षण होने के बजाय नुकसान की स्थिति बनेगी। निजी क्षेत्रों के हस्तक्षेप के चलते वनों का ढांचा और भी गड़बड़ा जाएगा। इसलिए इस नीति पर काम नहीं करने के लिए कहा गया था। मुख्यमंत्री ने इस मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया था और इसके बाद निजी क्षेत्रों के सहयोग से बिगड़े वनों का विकास संबंधी कार्यक्रम रुक गया है।

मानसून के पहले भोपाल शहर के सभी नाले-नालियों का वृहद सफाई अभियान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को भोपाल शहर में नाले-नालियों की वृहद रुप से साफ-सफाई अभियान अंतर्गत नरेला विधानसभा के प्रभात चौराहे पर ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण कर नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि मानसून में जलभराव की स्थिति निर्मित न हो इसके लिए वृहद रूप से सफाई अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत भोपाल शहर के सभी नाले-नालियों की सफाई सुनिश्चित होगी। साथ ही नालों में लोग कचरा न डालें इसके लिए

जनजागरण अभियान भी चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान भोपाल नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इस बार मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि मानसून भोपाल में एक सप्ताह पहले प्रवेश करेगा। इसे देखते हुए भोपाल शहर के सभी नाले नालियों की सफाई वृहद के लिये अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष मानसून पूर्व नगर निगम सफाई अभियान चलता है।

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिये कि इस कार्य की शुरुआत पहले से ही कर दी जाए। इससे समय पर सफाई कार्य पूर्ण हो सकेगा और भविष्य में जलभराव की स्थिति निर्मित नहीं होगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मशीनों के माध्यम से समुचित रूप से नालों की सफाई सुनिश्चित की जाएगी और इसके साथ यह भी ध्यान रखा जाएगा कि जिन क्षेत्रों में नाले आसपास स्थित हैं, वहाँ के निवासियों को हिदायत दी जाए कि वे नालों में कचरा न डालें।

मप्र के विद्यार्थियों में है नवाचारों से समाज के प्रश्नों के समाधान करने का सामर्थ्य : तकनीकी शिक्षा मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विद्यार्थियों के रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना, सृजन का उद्देश्य है। सृजन के माध्यम से प्रतिभावान विद्यार्थियों को नवाचारों के लिए मंच मिला है। इससे विद्यार्थी, सामाजिक समस्याओं और चुनौतियों के प्रति संवेदनशील होंगे। समाज के प्रश्नों के समाधान करने का सामर्थ्य प्रदेश के विद्यार्थियों में हैं, हमारे विद्यार्थी समाधानकारक नवाचारों के लिए आगे आ रहे हैं। भविष्य में प्रदेश के यही विद्यार्थी, स्टार्टअप के केंद्र बनेंगे। प्रदेश सरकार की ओर से नवाचारों को लेकर विद्यार्थियों को मंच देने की यह अभिनव पहल है।

यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में रविवार को इनोवेट एमपी मिशन की दृष्टि से सृजित सृजन कार्यक्रम के समापन समारोह में कही। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हर वर्ष सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को अपनी नवाचारी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए मंच मिल सके। श्री परमार ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन गर्व का दिन है, आज ही के दिन हमारा देश परमाणु शक्ति संपन्न शक्तिशाली देश के रूप में स्थापित हुआ था। तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत की परम्परा में दस्तावेजीकरण (पेटेंट) नहीं था लेकिन वर्तमान वैश्विक परिधियों में दस्तावेजीकरण की आवश्यकता है। इसके लिए हमें भारतीय समाज में हर विद्या-हर क्षेत्र में विद्यमान ज्ञान को युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में पुनः शोध एवं अनुसंधान कर, दस्तावेजीकरण से समृद्ध करना होगा। भारत के नवाचारों को विश्वमंच पर, दस्तावेजीकरण के साथ रखना होगा।

41 दिनों में ही तय लक्ष्य से ज्यादा अमृत सरोवरों को बनाने का काम शुरू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन महाअभियान चलाया जा रहा है। इस महाअभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से की थी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल प्रदेश में जलसंरचनाओं के संरक्षण के लिए प्रदेश में नदियों के उदगम स्थलों का दौरा कर रहे हैं। अभियान तीव्र गति से अपने लक्ष्यों को पूर्ण करने की ओर बढ़ रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) के तहत प्रदेश में 1 हजार अमृत सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य रखा था। अभियान के 41 दिवस में ही निर्धारित लक्ष्य से अधिक प्रदेश में 1012 अमृत सरोवरों को बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। अभियान में कूप रिचार्ज पिट, बावड़ी, खेत-तालाब, अमृत सरोवर, बोरी बंधान, चेकडैम सहित अन्य कार्य कराए जा रहे हैं। इसके साथ पुराने जल स्त्रोतों की सफाई, नदियों की जल धाराओं को जीवित के लिए गेबियन संरचना, कंटूर ट्रेंच जैसे जल संरक्षण संरचनाओं का कार्य किया जा रहा है।

प्रदेश में बड़ी संख्या में अमृत सरोवर बन जाने से प्रदेश का भू-जल स्तर बढ़ेगा। इससे जल संकट की समस्या से निजात मिलेगी। गर्मियों में कुओं, हैंडपंपों और ट्यूबवेलों का जलस्तर कम नहीं होगा। साथ ही, ग्रामीण आजीविका के साधन भी बढ़ेंगे। सिंचाई के साथ मछली पालन और सिंघाड़े की खेती सहित अन्य गतिविधियों में सरोवरों का पानी इस्तेमाल किया जा सकेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य बारिश के पानी सहेजना और पुराने जल स्त्रोतों को संवारना है। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे महाअभियान में प्रदेश में भू-जल स्तर पर सुधार आएगा। कुओं, नलकूपों का जलस्तर बढ़ेगा।

बिना सुई चुभाए शुगर लेवल का पता चलेगा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शुगर की जांच के लिए खून की कुछ बूंदें चाहिए होती हैं, लेकिन आने वाले कुछ समय में यह जरूरी नहीं होगी। मरीज को सिर्फ एक डिवाइस में फूंक मार कर पता चल जाएगा कि शरीर में शुगर लेवल क्या है? एमपी के बालाघाट की छात्रा ने एक ऐसी डिवाइस बनाई है, जो बिना सुई चुभाए सिर्फ सांस के जरिए शरीर में शुगर लेवल बताती है। छात्रा ने इसका नाम शुगर ब्रीथ एसीटोन 3.0 रखा है। दरअसल, भोपाल के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सृजन-2025 कार्यक्रम चल रहा है। जिसमें 1627 नवाचारों में से चुने गए टॉप 150 इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी लगी है। एक डिवाइस तो ऐसी है जो फल-सब्जियों में छिपे कीड़ों और खतरनाक रसायनों की पहचान करती है। इसके अलावा दृष्टिहीनों की राह आसान बनाने के लिए अल्ट्रासोनिक छड़ी तैयार की है जो आंखों की तरह मार्गदर्शन करती है।

बालाघाट के जेएसटी पीजी कॉलेज की स्टूडेंट अभिलाषा की यह डिवाइस सांस में मौजूद किटोन बॉडीज का विश्लेषण करती है, जो शुगर लेवल बढ़ने पर शरीर में अधिक मात्रा में बनने लगती है।

बदवार टनल के पास टकराए तीन वाहन, एक महिला की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र में बदवार टनल के पास बीती देर रात हुए सड़क हादसे में एक-एक कर तीन वाहन टकरा गए। जिसमें एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में राजेश कोरी निवासी जनकपुर कुचवाही जिला सीधी ने बताया कि वह पिकअप वाहन से परिवार वालों के साथ मैहर देवी दर्शन करने जा रहा था। तभी रात तकरीबन साढ़े 12 बजे जैसे ही पिकअप टनल क्रॉस कर बदवार के समीप पहुंचा तभी पिकअप सड़क किनारे रुका और कुछ लोग वाहन से उतर कर पेशाब करने लगे। इसी दौरान एक बोलेरो और डंपर में सीधी टक्कर हो गई। जिसके बाद बोलेरो पिकअप से भी जा टकराई, इस दौरान पिकअप में सवार उसकी मां सुनीता कोली चपेट में आ गई। जिसके चलते उसकी मौत हो गई है, जबकि पिकअप में सवार तीन अन्य लोग सुरेश, गौरी और पानकली रावत को भी चोटें आई हैं। राजेश ने बताया कि घटना के दौरान ज्यादातर लोग वाहन से नीचे उतर गए थे जिसके चलते और लोग सुरक्षित बच गए।

रीवा में महिला से छेड़छाड़ पर विवाद, बीच सड़क हुई मारपीट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सरेराह दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। मामला अमहिया थाना क्षेत्र के पीटीएस चौराहे पर रविवार रात का बताया जा रहा है। इसका वीडियो सोमवार को सामने आया। पुलिस ने मामला संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक एक महिला अपने पति और परिजनों के साथ सब्जी खरीदने निकली थी। इस दौरान सड़क पर शराब के नशे में धुत कुछ असामाजिक तत्वों के गुट ने महिला को लेकर अश्लील टिप्पणी कर दी। इसके बाद बात दोनों पक्षों में विवाद हो गया और बात मारपीट तक पहुंच गई। विवाद के चलते इस दौरान कुछ देर तक आवागमन भी बंद रहा, और लोग तमाशबीन बने घटना को देखते रहे। मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल ने बताया कि पीटीएस चौराहे में रविवार की रात दो पक्षों के बीच हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। पूरा मामला छेड़खानी से जुड़ा हुआ है, वीडियो वायरल होने के बाद मामले को संज्ञान में लिया गया है, और मामले की जांच कर रही है जिसके बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने मनकामेश्वर मंदिर के सौंदर्यीकरण का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने आज कोठी कंपाउंड स्थित मनकामेश्वर मंदिर पहुंचे। जहां मंदिर परिसर एवं आसपास हो रहे सौंदर्यीकरण कार्य का वृहद निरीक्षण किया एवं संबद्ध जनों से कार्य के संबंध में चर्चा की। इन दौरान उन्होंने कार्य में प्रगति लेन सहित अन्य जरूरी दिशा निर्देश दिए। बतादें कि उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल की पहल पर जनसहयोग से कोठी कंपाउंड स्थित मनकामेश्वर मंदिर का सौंदर्यीकरण कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने आज रीवा में निर्माणाधीन पीडब्यूडी भवन का भी निरीक्षण किया एवं निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए।

दर्शन कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने जनता सुनी लोगों की समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने आज जनता दर्शन कार्यक्रम के तहत अमहिया स्थित आवास पर क्षेत्रीय जनों से भेंट की। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनी और समाधान का आश्वासन दिया। उपमुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय जनों से प्राप्त हुए सुझावों के क्रियान्वयन का भी भरोसा दिया। लोगों की समस्याओं के यथासंभव निराकरण हेतु संबंधित स्टाफ को निर्देशित किया।

सिविल डिफेंस वालेंटियर्स का प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक (सिविल डिफेंस वालेंटियर्स) आपात की स्थिति में स्थानीय स्तर व्यापक सहायता सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसमें बचाव और निकासी अभियान, प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन देखभाल, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा प्रतिक्रिया एवं पुनर्वास प्रयासों में सहायता करना शामिल है। जिले में भी इसी उद्देश्य से सिविल डिफेंस वालेंटियर्स तैयार किये जा रहे है। उक्त आशय के विचार जिला प्रशासन द्वारा कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में आयोजित सिविल डिफेंस वालेंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम में आयुक्त नगर निगम रीवा डॉ सौरभ संजय सोनवणे ने व्यक्त किए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने आवश्यकता के इस समय में सभी से जुड़कर कार्य करने हेतु आग्रह किया। कार्यशाला को एसडीएम वैशाली जैन, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट वीरेन्द्र सिंह जादौन, व सम्भागीय समन्वयक जन अभियान परिषद प्रवीण पाठक ने भी संबोधित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकास पांडेय प्लाटून कमांडर ने प्रशिक्षार्थियों को विस्तृत रूप से सिविल डिफेंस तकनीकों की जानकारी व डिमांस्ट्रेशन दिया। कार्यक्रम में डीपीओ प्रतिभा पांडेय, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, डीईओ सुदामा गुप्ता, प्राचार्य जीडीसी डॉ विभा वास्तव, अमित अवस्थी, बृजेश सिंह, डॉ. मुकेश येंगल सहित विभागीय अधिकारी व स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अमर ज्योति संस्थान ने करवाया 841वां नेत्रदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना समाजसेवी शिवचरण [दीपू] हेमंत,बच्चू मांधानी के पूज्य पिता गंगाराम मंधानी जी का स्वर्गवास हो गया निधन उपरांत अमर ज्योति परिवार के सदस्य डॉ प्रकाश सिंह,संजय वाधवानी एवं समाजसेवी अनिल सचदेव जी की प्रेरणा से प्रेरित होकर परिवार ने पूज्य पिताश्री का नेत्रदान करवाने का निर्णय लिया सतगुरु की तकनीकी टीम द्वारा नेत्रदान कराया गया

अमर ज्योति के संयोजक मनोहर डिगवानी ने कहा निश्चित रूप से गंगाराम जी के इस नेत्रदान से दो अंधकारमय जीवन रोशन होंगे नेत्र प्राप्त करने वाले नेत्रहीन आजीवन परिवार को दुवाए देंगे

अमर ज्योति के सदस्य विनोद गेलानी ने बताया संस्था द्वारा यह 841वां नेत्रदान करवाया इसके पूर्व 840 नेत्रदान हो चुके हैं

समिति के मार्गदर्शक योगेश ताम्रकार,संयोजक मनोहर डिगवानी,कमल पुरस्वानी,मनोज अरोरा,नरेंद्र चंद्र गुप्ता,पुष्पराज सिंह,हरिओम गुप्ता,मनमोहन माहेश्वरी,विभाष बनर्जी,विनोद गेलानी,सुधीर जैन,ललित खुराना,दिलीप सोनी,प्रदीप अरोरा,विपुल हांडा,संजय वाधवानी,अनिल मोटवानी, जेठानंद वाधवानी, घनश्याम मँघरानी,श्यामलाल गुप्ता श्यामू,मनोज वलेजा,संदीप चमड़िया,अनिल झुलवानी, नीलांबर झा,बसंत शर्मा,संदीप धूत,दीपक वाधवानी,रूपेश वलेचा,तरुण ठक्कर,भरत आहूजा,पंकज आहूजा,श्रीमती मंजूषा शाह दिनेश अग्रवाल, अशोक ताम्रकार,उमेश लोहिया,डॉ प्रकाश सिंह,ज्ञान खटवानी,मनीष टेकवानी,धीरज टंडन,बलराम गुनानी सहित सभी सदस्यों ने दिवंगत के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों के प्रति साधुवाद प्रेषित किया है

सेवा भाव की प्रतीक नर्स ने किया रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना सेवा को अपना धर्म समझकर निरंतर मरीजों की सेवा कर रही नर्स ने अंतरराष्ट्रीय नर्स डे पर अपना खून देकर मानवता का संदेश देकर युवाओं को रक्तदान करने की प्रेरणा दी

जायंट्स ग्रुप ऑफ़ स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष डॉ. दीपक सोई की प्रेरणा से प्रेरित होकर समाजसेवी विनोद गेलानी की गरिमामय उपस्थिति में बबीता यादव ने जिला अस्पताल में भर्ती सरोज सिंह [कटनी] को रक्तदान कर इंसानियत का सच्चा धर्म निभाया । सिन्धू विकास समिति के अध्यक्ष एवं रक्तदाताओं को प्रेरित करने वाले विनोद गेलानी ने जानकारी देते हुए बताया कि बबीता यादव जी ने पहली बार रक्तदान किया इस अवसर पर शरद वाधवानी जी [रीवा] ब्लड बैंक से रामभाई त्रिपाठी शेषमनी सिंह उत्तम विश्वकर्मा विनय त्रिपाठी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बबीता जी के रक्तदान करने पर जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी के संरक्षक मनोहर डिगवानी बसंत शर्मा रवि शंकर गौरी अध्यक्ष डॉ. दीपक सोई सरिता सचदेवा सिमरन होतचंदानी विनोद गेलानी मोना चोपड़ा राखी होतचंदानी डॉ. मनीषा सोई डॉक्टर विद्या पांडे,कशिश नागदेव निशा गोयल आभा सिंह रशिम जैन प्रेरणा जादवानी अनामिका सोनी रेशमा दुसेजा गोल्डन झा रंजीत सेनानी पूजा चतुर्वेदी ने बबीता जी को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नागरिक सुविधा की सहज आपूर्ति से संबद्ध विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों के अवकाश प्रतिबंधित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने देश की वर्तमान अप्रत्याशित परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए जिले में नागरिक सुविधाओं की सहज आपूर्ति से संबंधित विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं फील्ड स्टाफ के अवकाश पर आगामी आदेश तक प्रतिबंध लगा दिया है। विशेष परिस्थितियों में अवकाश कलेक्टर की अनापत्ति के उपरांत सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृत किये जा सकेंगे।

चिकित्सालय आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने हेतु हाई पावर समिति गठित: श्यामशाह चिकित्सालय महाविद्यालय रीवा में चिकित्सालय आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने हेतु हाई पावर समिति गठित की गयी है। इस समिति के अध्यक्ष डीन मेडिकल कालेज तथा उपाध्यक्ष संयुक्त संचालक जीएमएच होंगे जबकि डॉ. अमित चौरसिया को सदस्य व संयोजक एवं डॉ. विनोद यदलवार को सदस्य व सहसंयोजक बनाया गया है। डॉ. चक्रेश जैन सदस्य सचिव होंगे। समिति में सदस्य के तौर पर अधीक्षक सुपर स्पेशलिटी, डॉ. यत्नेश त्रिपाठी, कार्यपालन यंत्री विनय कुमार वास्तव, एसडीओ सुधीर कुमार शुक्ला एवं ओमकार मिश्रा, डॉ. जुनैदवेग व डॉ. रवि सिंह बघेल को शामिल किया गया है।

राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक आज: कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में नागरिक सुरक्षा योजना के मद्देनजर राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक 13 मई को दोपहर 2 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गयी है। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीदार तथा पुलिस के अधिकारी भाग लेंगे।

सिविल डिफेंस वालेंटियर्स के नामांकन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के नामांकन के लिए कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिये गये हैं। आयुक्त नगर निगम को नगरीय क्षेत्रों के लिए तथा सीईओ जिला पंचायत को ग्राम पंचायतों के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। इनके साथ जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास व जिला समन्वयक जन अभियान परिषद को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सेवानिवृत्त जनसंपर्क अधिकारी अरुण मिश्रा का निधन

आयुक्त जनसंपर्क ने दिवंगत मिश्रा को दी श्रद्धांजलि

अरुण मिश्रा 31 अक्टूबर 2023 को सेवानिवृत्त हुये।

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सेवानिवृत जनसंपर्क अधिकारी अरूण मिश्रा का 12 मई को सुबह 3 बजे हार्ट अटैक से दुखद निधन हो गया। मिश्रा गत 10 वर्षों से लीवर सिरोसिस बीमारी से पीड़ित थे। उन्हें 3 मई को बीमार होने पर प्रार्थना हास्पिटल में भर्ती कराया गया। एक सप्ताह के उपचार के बाद मिश्रा लगभग पूरी तरह से स्वस्थ्य हो गये। आचनक 10 मई को मिश्रा को सीवियर हार्ट अटैक हुआ। उन्हें सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल रीवा में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। दो दिनों तक उपचार के बाद 12 मई को मिश्रा ने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार रीवा में किया गया। मिश्रा सेवानिवृत्त के बाद रीवा में ही निवास कर रहे थे। मिश्रा के निधन पर जनसंपर्क आयुक्त सुदामखाड़े ने गहन शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

मिश्रा मूल रूप से सतना के निवासी थे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से शासकीय सेवा शुरू की। मिश्रा 1992 में जनसंपर्क विभाग में सहायक सूचना अधिकारी के पद पर भर्ती हुये। मिश्रा ने मंडला, डिंडौरी, उमरिया, सीधी, सिंगरौली तथा रीवा जिले में विभाग में सेवाएं दी। मिश्रा 31 अक्टूबर 2023 को सेवानिवृत्त हुये। मिश्रा की लीवर सिरोसिस बीमारी का उपचार आईएलबीएस नई दिल्ली से चल रहा था। मिश्रा के दुखद निधन पर संभागीय जनसंपर्क कार्यालय में शोक सभा करके दिवंगत आत्मा के लिए प्रार्थना की गयी। प्रभारी सहायक संचालक उमेश तिवारी, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवप्रसन्न शुक्ला, जनसंपर्क अधिकारी सतना राजेश सिंह, फोटोग्राफर श्रवण वास्तव ने मिश्रा के निवास स्थल जाकर शोक संवेदना व्यक्त की एवं अंतिम संस्कार में शामिल हुए। जनसंपर्क संघ के पदाधिकारियों तथा प्रदेश भर के जनसंपर्क अधिकारियों ने भी मिश्रा के दुखद निधन पर शोक व्यक्त किया।

रीवा में पेट्रोल पंप में अचानक बाइक में लगी आग से मची भगदड़

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के सिविल लाइन थाना के समीप संचालित कनौजिया पेट्रोल पंप में बाइक में अचानक आग लगने से भगदड़ मच गई। इस दौरान पेट्रोल पंप में लगे अग्निशामक से आग पर काबू पाया गया। हालांकि आगजनी की सूचना पर तत्काल दमकल का वाहन भी मौके पर पहुंच गया। लेकिन उससे पहले ही आग पर काबू पा लिया गया और एक बड़ी दुर्घटना टल गई। इस पूरी घटना के संबंध में खन्ना चौराहा में बाइक रिपेयरिंग की दुकान संचालित करने वाले असलम खान ने बताया कि वह पल्सर बाइक लेकर पेट्रोल पंप में पेट्रोल डलवाने आए थे। जैसे ही पेट्रोल डलवाकर वह बाइक स्टार्ट कर चले तभी अचानक बाइक में आग लग गई। इस दौरान तत्काल पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने अग्निशामक से आग पर काबू पाया। माना जा रहा है कि भीषण गर्मी की वजह से यह घटना हुई।

सतना में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो भाइयों की मौत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले में सतना-पन्ना हाईवे पर बरेठिया के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो भाइयों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान राम नरेश दाहिया और ब्रजेश दाहिया के रूप में हुई है। दोनों पन्ना जिले के जिगदहा के निवासी थे। बताया जा रहा है कि राम नरेश की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि ब्रजेश ने गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। परिजनों ने बताया कि, दोनों रिश्ते के भाई हैं और रविवार को किसी काम से सतना आए थे। देर रात दोनों वापस गांव लौट रहे थे, तभी हादसे का शिकार हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। नागौद थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

सतना में जल गंगा संवर्धन अभियान की आड़ में हो रहा अवैध खनन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में जल गंगा संवर्धन अभियान की आड़ में नगर परिषद अमले की शह पर अवैध उत्खनन कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि हजारो डंपर मिट्टी का यहां से परिवहन की जा चुकी है। लगातार हो रहे अवैध उत्खनन से बरुआ नदी का अस्तित्व खतरे में आ गया है। धीरे धीरे नदी की धार टूट रही है।

सीधी में 25 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का हुआ समापन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी में 25 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने रंगमंच के गुर सीख कर रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुत दी। कार्यशाला में अभिनय के क्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित कर चुके विशेषज्ञों द्वारा अभिनय की बारीकियां सिखाई गईं। कार्यशाला में चेहरे की भाव-भंगिमा, शारीरिक प्रदर्शन, वॉइस मॉड्यूलेशन सहित कैमरा संचालन, रोशनी व छाया ज्ञान एवं संगीत सहित अन्य जानकारी दी गई। बघेली संस्कृति के संस्कार गीत व नाटक कला में पारंगत बनाने विभिन्न नाटक भी कराए गए। आयोजन की जानकारी नीरज कुंदेर व रौशनी प्रसाद दुबे ने दी। कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों ने बघेलखंड की संस्कृति पर आधारित गीत व रौशनी प्रसाद दुबे द्वारा निर्देशित नाटक "बुरा मान जाएंगे" की प्रस्तुति दी।

मऊगंज में रिश्तेदारी गए परिवार के घर में लगी आग, गृहस्थी हुई खाक

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज जिले के टटिहरा कला गांव में अख्तियार अहमद खान के घर में बीती रात करीब 1 बजे आग लग गई। [ड्डस्रस्र] घटना के समय परिवार रिश्तेदारी में गया हुआ था। आग की लपटें देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। जब आग पर काबू नहीं पाया जा सका, तो फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। फायर ब्रिगेड ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। घर में बंधी दो बकरियां भी आग की चपेट में आकर मर गईं। आग से लगभग दो लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। पीड़ित ने सोमवार की दोपहर में नईगढ़ी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। प्रधान आरक्षक रामकुमार ने बताया है कि अज्ञात कारणों से लगी आग का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

विचार

आजादी के बाद भी भारत में आतंकी माहौल है

ऑपरेशन सिंदूर भारत के लिए जरुरी था भारत को अपनी रक्षा का पूर्ण अधिकार है लेकिन पाकिस्तान इसे युद्ध के रूप में घसीट रहा है सीजफायर का उल्लंघन करता है और धर्म के नाम पर आतंकवादी को ट्रेनिंग और हथियार देता है आज भारत की आजादी का 76 साल से अधिक हो गए आजादी का अमृत महोत्सव भी धूमधाम से मना लेकिन भारत जब आजाद हुआ तो जिन्ना के कारण भारत के एक और टुकड़े हो गए और पाकिस्तान बना और वहीं पाकिस्तान आज आतंकवादी को प्रमोट करता है जबकी भारत शांति पूर्ण तरीके से जबाब देता है पाकिस्तान धर्म के नाम पर सभी आतंकी कुकर्मो को करता है और जिससे किसी ना किसी रूप में दोनों की आर्थिक स्तिथि कमजोर होती है जिसका फायदा चीन उठाता है अंग्रेजी हुकूमत में शहीद हुए लाहौर बम कांड में भगत सिंह राजगुरु व शुकदेव आजादी मिली पाकिस्तान को किसी देश को विकसित कब माना जाता है? यह देश की समृद्धि, उसके लोगों की खुशहाली और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी स्थिति से तय होता है। और, कोई देश कितना समृद्ध है, यह उसके 'जीएनपी' यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से तय होता है। 'डीपी' यानी कुल घरेलू उत्पाद, भुगतान संतुलन, विदेशी मुद्रा-मुद्रा भंडार, आर्थिक विकास दर, जीडीपी आदि। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार (आयात और निर्यात दोनों) की मात्रा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उसकी हिस्सेदारी, इन दोनों में उसकी विकास दर भी उसकी आर्थिक स्थिति को दर्शाती है। अर्थव्यवस्था कितनी मजबूत है और क्या उसमें अर्जित धन को बनाए रखने और लगातार बढ़ाने की क्षमता है। आर्थिक संकेतक अपने आप में बहुत वजन रखते हैं, लेकिन कुछ चीजें छिप भी जाती हैं, जैसे देश के आम आदमी की गरीबी और कठिनाई की बात। हैदराबाद स्थित 'डीआरडीएल' (सिक्योरिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी) में अपने कार्यकाल के दौरान मैंने और राजन ने अपने अनुभवों पर खूब चर्चा की है और उन पर खूब सोचा है। वहाँ काम करते समय तीन व्यक्ति मेरे पास आए और वे मेरे लिए कुछ ऐसे प्रश्नों और समस्याओं के प्रतीक बन गए, जिनके उत्तर मैं लगातार ढूँढ़ने की कोशिश कर रहा था। पहला व्यक्ति विक्रांत था, जो दो बेटों और एक बेटी का पिता था। तीनों ही ग्रेजुएट थे और अच्छी नौकरी करते थे। उसी इलाके में कूप रहता था, जो तीन बेटों का पिता था। वह सिर्फ़ एक बेटे को पढ़ा पाया और किराए के मकान में रहता था। कपिल दो बेटियों और एक बेटे का पिता था। उसकी नौकरी पार्ट टाइम थी। गरीब होने के कारण वह अपने किसी बच्चे को पढ़ा नहीं पाया। वह घर भी बदलता रहता था।

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीजफायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सपन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा।

यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा।

पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरुआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है, जिसके तहत आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग करके भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया था। सच्चाई तो यह है कि धर्म को आतंक से पाकिस्तान ने जोड़ा है। आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय एवं शर्मनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

भारत का मकसद आतंकवाद का खात्मा है, युद्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा झेल पाने में असमर्थ है, युद्ध को तो वह भूल ही जाए।

ऑपरेशन सिंदूर से आतंक का सफाया, नास्तिकता का प्रतीक है आतंकवाद

भारत ने ऑपरेशन सिन्दूर के तहत आतंक के गढ़ में आतंक को मार गिराया है। ऑपरेशन सिंदूर से कई आतकवादियों का सफाया हुआ है। पाक ने हिन्दुस्तानियों का सुहाग बिगाड़ा तो भारत ने आतंक का संसार ही उखाड़ दिया है। पाकिस्तान, हिन्दुस्तानियों से भविष्य में भय खाएगा और कोई भी घटना को अंजाम देने से पहले अपनी मौत को दावत देगा। पकिस्तान आतंकिस्तान है। पकिस्तान की सेना और आतंकवादी दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। ये दोनों इस युद्ध में बराबर की सहभागिता निभा रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी वहां की सेना का ही एक हिस्सा है जिसे आई एस आई आदि संगठन के नाम से जाना जाता है। पाकिस्तान का नाम आतंकिस्तान होना चाहिए। अब समय आ गया है की पूरे पकिस्तान को ध्वस्त कर विश्व में अमन और चैन स्थापित किया जाए।

ऑपरेशन सिंदूर में कई आतंकवादी संगठन जैसे जैश, लश्कर, के आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इन सभी मारे गए आतंकवादियों को पकिस्तान की सेना ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे विश्व में सन्देश जाता है कि पाकिस्तान की पूरी सेना ही आतंकवादी की भूमिका में है। विश्व में स्थायी भविष्य की शान्ति के लिए पाकिस्तान को नेस्तानाबूत ही करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिन्दूर कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल 2025 को मारे गए 26 भारतीयों का बदला है । हिन्दुस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर से विश्व को आतंक के खिलाफ चेतावनी दे दी है। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान की लगभग सभी एयरबेस ध्वस्त हो चुकी हैं। हिन्दुस्तान आतंक की कमर तोड़ रहा है न की नागरिकों की । भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर ने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए हैं। अब कंगाली की दहलीज पर पंहुच चुके पाकिस्तान को अपने रक्षा बजट को 18 फीसदी तक बढ़ाना पड़ा है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तान को भविष्य में बर्बादी का मंजर देखना पड़ेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक कोई बड़ी बात नहीं कि हम जल्द ही पाकिस्तान को टूटते हुए भी देखें। आतंक के आकाओं को समझ लेना चाहिए की अब उनका स्थान पृथ्वी पर न होकर जह्नुम है जहां उनको उनके अनुसार हूर की परियां मिलेंगी।

हिन्दुस्तान की सशक्त महिलाएं विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाकर नारीशक्ति की मिसाल को कायम किया है। इनके जज्बे को मेरा सलाम है। आज कुंठित देश आतंकवाद का सहारा लेता है या गलत नीतियों और सिद्धातों का सहारा लेता है। इसलिए जो देश कभी एक हुआ करते थे वो आज एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं। आतंकवाद एक विशेष धर्म में ही क्यों पनपा? ये बड़ा प्रश्न है। लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, पर मेरा मानना है की आतंकवाद है और आतंक के आकाओं का धर्म मुस्लिम है। इन्हे मुस्लिम आतंकी कहने में कोई हर्ज़ नहीं है। ये सारेआतंकी पाकिस्तान जैसे मुस्लिम देश में ही क्यों पल रहे हैं? ये आतंकी नमाज भी पढ़ते हैं, मस्जिद भी जाते हैं और मुस्लिम देश में शरण भी लेते हैं तो ये मुस्लिम ही तो हुए। इन आतंक के आकाओं की कमर तोड़ दी जाएगी और भविष्य में ये अपनी जड़ को कमजोर होते देखेंगे। विश्व के सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को आतंकियों को सबक सिखाना पड़ेगा वरना ये आतंकी मुस्लिम, पूरे मुस्लिम समुदाय को

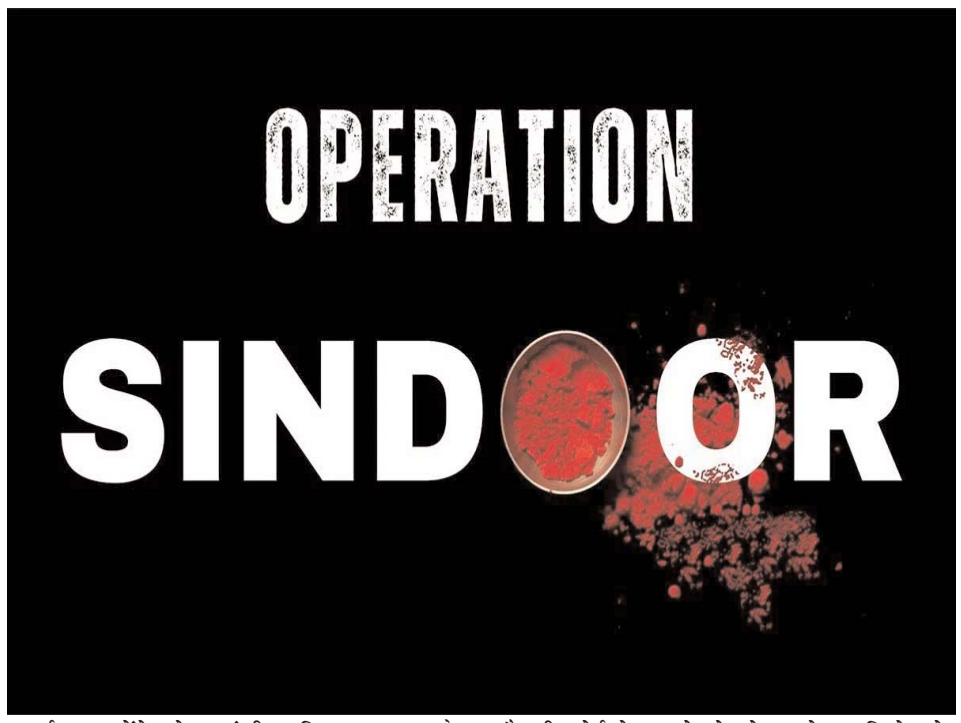

बर्बाद कर देंगे। ये आतंकी, मुस्लिम समुदाय के लिए दीमक का काम कर रहे हैं। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला मुस्लिम देश पाकिस्तान खुद एक दिन अपनी बर्बादी की कहानी लिखेगा।

वहीँ दूसरी तरफ देखा जाए तो एक अपना हिन्दुस्तान का मुसलमान है जो राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र सर्वोपरि की अभिधारणा पर चलता है। ये भारत के मुस्लिम क्या मुस्लिम नहीं हैं जिनमे प्रेम और सद्भाव कूट कूट के भरा है। कहने का तात्पर्य यह है की कोई देश चाहे तो वो अपने नागरिको को आतंकवादी बना दे या अपने नागरिकों को देवतुल्य बना दे। सारा खेल नागरिकता और वहां की संस्कृति का है। जिस देश की संस्कृति और सभ्यता जैसी होती है वैसे ही वहां का नागरिक भी बन जाता है। कहने का तात्पर्य धर्म से बढ़कर पहले राष्ट्र है। स्वत: के साथ प्रतिस्पर्धा स्व को निर्मित करती है, साथ ही साथ समाज और राष्ट्र को मजबूत करती है। व्यक्ति,समाज और राष्ट्र सभी की प्रतिस्पर्धा स्वयं से होनी चाहिए। प्रकृति, दूसरों से प्रतिस्पर्धा की अनुमति नहीं देती है। प्रकृति हमेशा स्व से जुड़ने की ओर प्रेरित करती है। स्व से जुड़ना ही असली प्रतिस्पर्धा है। एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वत: से होती है। जैसे बेरोजगारी, महंगाई, खाद्यान, मेडिकल, शिक्षा आदि को लेकर प्रतिस्पर्धा। कहने का तात्पर्य एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वयं के दृष्टिकोण से होती है जो भारत में है। युद्ध आतंक के सफाए के लिए जरुरी है। आतंक का सफाया विश्व में शांति ले कर आएगा। शांति, विकास का कारण बनती है।

आतंक के खिलाफ युद्ध वैश्विक शांति का कारक है। कहने का तात्पर्य यह है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान से जब आतंक का सफया होगा तभी शांति कायम होगी। और वही शांति पड़ोसी मुल्क से मित्रता का कारण बनेगी। आतंक के खिलाफ युद्ध आस्तिकता को प्रकट करती है। आतंकवाद नास्तिकता को प्रकट करती है। आस्तिकता स्वर्ग को प्रकट करती है। नास्तिकता नरक को प्रकट करती है। आस्तिकता स्वर्ग के द्वार को खोलती है। नास्तिकता नरक के द्वार को खोलता है। अतएव आतंकवाद किसी नरक से कम नहीं है। अतएव हम कह सकते हैं कि आतंकवाद, नास्तिकता का प्रतीक है। पाकिस्तान आतंकवाद की आड़ में अपनी विजय पताका लहराना चाहता है। जिस किसी देश ने आतंकवाद को अपने देश में दखलंदाजी करने की सह दी वह देश बर्बाद हो गया। भारत जैसा देश जो आतंकवाद के खिलाफ है वो महान है। आतंकवाद विश्व के भविष्य के लिए चेतावनी है। विश्व के सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एक होकर लड़ने की जरुरत है। सभी देशों को मिलकर विश्व के स्थाई भविष्य के लिए काम करना चाहिए। भारत पाकिस्तान का यह युद्ध आतंकवाद पर कड़ा प्रहार साबित होगा।

पाराडोल में सुशासन तिहार के तहत शिविर सम्पन्न, जनप्रतिनिधियों का हुआ सम्मान

शिविर में 2146 आवेदनों का किया गया निराकरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ज़िले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पाराडोल में सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण के तहत आज शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन 08 अप्रैल से 11 अप्रैल तक चल रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा रहा। शिविर की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें समस्त जनप्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों को दी गई। जिसमें बताया गया कि सुशासन तिहार तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है और यह शिविर वर्तमान में चल रहे तीसरे चरण का हिस्सा है। ग्रामीणों को अवगत कराया गया कि इस शिविर के माध्यम से न केवल शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, बल्कि विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों की स्थिति जैसे कि निराकरण, लंबित मामले और शिकायतें की जानकारी भी साझा की जा रही है। शिविर में पाराडोल सहित चैनपुर, बोरीडांड, चौघड़ा, चनवारीडांड, तेन्दुडांड, नारायणपुर, छिपछिपी, भौंता, बंजी और बुंदेली ग्राम पंचायत के ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पाराडोल की बालिकाओं समृद्धि, विद्या, प्रिंसा एवं काव्या का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। इस शिविर ने ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं और शिकायत निवारण प्रणाली से सीधे जुड़ने का अवसर दिया, जिससे शासन और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद कायम हो सके। शिविर में उपस्थित सभी विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं,सेवाओ एवं उपलब्धियों की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। जिसमें क्रमवार रूप से विभिन्न अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं, उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया, पात्रता एवं प्राप्त आवेदनों की स्थिति पर प्रकाश डाला। जो इस प्रकार है शिविर में कुल 2783 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें से 2146 आवेदनों का निराकरण किया गया जबकि 637 आवेदन लंबित हैं। आवास योजनाओं में 569 आवेदन आए थे, जिसमें सभी का निराकरण किया गया। वही राशन कार्ड के 128 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 120 का निराकरण कर दिया गया है, जबकि 28 आवेदन लंबित हैं। इसके साथ ही पेंशन के 62 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें सभी का निराकरण किया गया। इसके साथ ही मनरेगा विभाग में 303 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसमें सभी का निराकरण हो गया है। शिविर में राजस्व विभाग को 25 आवेदन प्राप्त हुए, जनपद पंचायत को 24 आवेदन प्राप्त हुए, वन विभाग को 13 आवेदन प्राप्त हुए, शिक्षा विभाग 02 आवेदन प्राप्त हुए, छ.ग.रा विद्युत मण्डल को 02 आवेदन प्राप्त हुए, लोक निर्माण विभाग को 03 आवेदन प्राप्त हुए, पशुपालन विभाग को 03 आवेदन प्राप्त हुए, महिला एवं बाल विकास विभाग को 01 आवेदन प्राप्त हुए, ऊर्जा (क्रेडा) विभाग को 01 आवेदन प्राप्त हुए, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को 10 आवेदन प्राप्त हुए जिसका काम अभी प्रक्रियाधीन है। जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि शेष लंबित आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी ताकि जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि उनके द्वारा किए गए आवेदन कैसे प्रक्रिया में लिए जाते हैं, उनका निराकरण कितने समय में होता है, और किन योजनाओं का लाभ वे आसानी से ले सकते हैं। साथ ही लंबित आवेदनों की स्थिति और आगामी समाधान की प्रक्रिया की भी जानकारी साझा की गई। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित गोद भराई कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए 7 गर्भवती माताओं जिसमें गुंजा पति विजय कुमार, गंगा पति रवि कुमार, इन्द्रकुंवर पति जगत, सोनकुंवर पति गुप्त रूप, सावित्री पति गोविंद प्रसाद, अनिता पति भोज प्रताप तथा गीता पति नर्मदा प्रसाद की पारंपरिक रीति से गोद भराई की रस्म पूर्ण किया। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने वक्तव्य में मातृ-शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि "स्वस्थ माँ ही स्वस्थ समाज की नींव रखती है। राज्य सरकार महिला और बच्चों के पोषण व स्वास्थ्य को लेकर पूरी तरह संकल्पबद्ध है।" स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा 32 पात्र लाभार्थियों को नवीन राशन कार्ड प्रदाय किया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह शिविर जनकल्याणकारी शासन की भावना का प्रमाण है। उन्होंने क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा(भगत बाबू) की सक्रिय भूमिका की सराहना करते हुए जनसमूह से तालियों की गूंज के साथ उनका अभिनंदन करने का आग्रह किया। मंत्री ने छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि मातृ शक्ति को आर्थिक संबल देने के लिए महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं को प्रति माह 1000 रूपये की सहायता राशि दे रही है। सरकार किसानों के हित में 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। उन्होंने कहा कि अब किसान ट्रैक्टर, बोरवेल और जेसीबी जैसी सुविधाओं का उपयोग कर खेती में आधुनिकता ला रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 18 लाख आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को पक्का मकान उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया है। पात्रता की शर्तों को सरल बनाते हुए अब दोपहिया वाहन रखने वाले भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। भूमिहीन मजदूरों के लिए भी सरकार ने सालाना 10,000 की सहायता योजना शुरू की है। अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे किसानों की पहचान कर शीघ्र लाभ प्रदान करें। उन्होंने बताया कि सुशासन तिहार के माध्यम से गांव-गांव में जाकर लोगों की समस्याएं सुनी जा रही हैं। अब तक जिले में 40,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 25,000 का निराकरण किया जा चुका है। उन्होंने शिविर में सभी पंचायतों में विधायक निधि से एक-एक टैंकर उपलब्ध कराने की बात कही। जिससे सामाजिक आयोजनों में जल की समस्या दूर होगी। उन्होंने शिविर की सफलता के लिए ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जानकी बाई खुसरो, जिला सदस्य उजित नारायण सिंह, जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष ध्रुपद चौहान, जनपद सदस्य श्रीमती सीता देवी एवं श्रीमती कविता बंसल, ग्राम पंचायत के सरपंचगण श्रीमती फूलमतीया बाई, देवकुंवर सिंह, समरिया, कुमारी सोनू सिंह, श्रीमती निविश लकड़ा, संतोष सिंह, अमृत सिंह सहित जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम, अनुविभागीय अधिकारी लिंगराज सिदार, जनपद सीईओ सुश्री वैशाली सिंह, तहसीलदार यादवेंद्र कैवर्त्य, जिला अधिकारी तथा सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

रायपुर में ट्रक-ट्रेलर की टक्कर, 13 की मौत, टोल से बचने ड्राइवर ने दूसरा रास्ता पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में रविवार देर रात मिनी ट्रक और ट्रेलर की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। 14 लोग घायल हुए हैं। ट्रक में सवार ये सभी लोग छठी के कार्यक्रम से लौट रहे थे। ट्रक खरोरा के बाना गांव से आ रहा था। बंगोली में इसे रायपुर से आ रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी।

मृतकों में 10 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। इनमें एक ही परिवार की 3 महिलाओं का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया, जबकि एक बच्चे को दफनाया गया है। इनमें गीता साहू, प्रभा साहू और नंदनी साहू का अंतिम संस्का किया गया। एकलव्य साहू (6) को दफनाया गया है।

हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया ङ्क पर पोस्ट कर लिखा कि जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया ङ्क लिखा कि सड़क हादसे में बच्चों और महिलाओं सहित कई लोगों की मौत का समाचार दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

ट्रेलर झारखंड पासिंग है। टोल नाके से बचने के चक्कर में ड्राइवर ने दूसरा रास्ता पकड़ा और हादसा हो गया। हादसा इतना दर्दनाक था कि कई महिलाओं और बच्चों के शरीर के टुकड़े हो गए। मिनी ट्रक में सवार होकर वापस घर लौट रहे थे।

इस दौरान ट्रेलर के साइड से करीब 3 फीट बाहर निकले लोहे (हैवी मशीन का हिस्सा) से टक्कर हो गई। बच्चों सहित 14 घायलों का इलाज मेकाहारा में जारी है, सभी खतरे से बाहर हैं।

अफेयर के शक में गर्लफ्रेंड को मार डाला, कोरबा में चेन लेकर घर पहुंचा

गला घोंटकर की हत्या, कॉलेज के दोस्त का नाम लिखकर भागा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में बॉयफ्रेंड ने दूसरे युवक से अफेयर के शक में गर्लफ्रेंड की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस को गुमराह करने सुसाइड नोट में युवती के कॉलेज के दोस्त का नाम लिखकर फरार हो गया। मामला उरगा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने युवती की हत्या के फरार आरोपी पिन्टू उर्फ लोकेश पटेल (25) को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना 25 नवंबर 2024 की है। युवती पूजा पटेल (23) की हत्या उसके घर में की गई थी। आरोपी ने युवती के साथ प्रेम संबंध होने की बात स्वीकार की है। आरोपी ने बताया कि युवती के साथ झगड़े के दौरान उसने गमछे से गला घोंटकर उसको मार डाला था।

जानकारी के मुताबिक पूजा पटेल सिलयारीभांठा की रहने वाली थी। वह भैंसमा कॉलेज बीएससी फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। स्पोर्ट्स में रुचि रखती थी। उसका अफेयर सक्ती जिले के आमपाली निवासी 25 पिन्टू उर्फ लोकेश पटेल उर्फ लोकेश्वर पटेल के साथ चल रहा था।

दोनों शादी भी करने वाले थे। लेकिन इसी दौरान युवक ने युवती पर दूसरे लड़के से अफेयर का शक जताया। दरअसल, कॉलेज में मंजीत भी पढ़ाई करता था। युवती की मंजीत से बातचीत थी। युवक ने इस बात को लेकर आपत्ति थी।

चांदी के चेन लेकर आया घर: 25 नवंबर 2024 को पूजा पटेल घर पर अकेली थी। माता-पिता और बांकी लोग बाहर गए हुए थे। इस दौरान आरोपी बाइक में मुंह में गमछा बांधकर आया। वह पूजा के लिए ज्वेलर्स दुकान से चांदी की चेन भी लेकर आया। आरोपी लोकेश्वर ने पूजा पटेल से कहा कि हमारी शादी होने वाली है और तू दूसरे लड़के के चक्कर में है। इस बात को लेकर विवाद हो गया। युवक ने गमछे से गला घोंट कर युवती को मौत के घाट उतार दिया। फिर एक सुसाइड लिखा, जिसमें मंजीत का नाम लिख कर भाग गया।

हत्या के बाद फरार हुआ आरोपी: आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद रायगढ़ काम करने चला गया, जहां काम नहीं मिलने पर खरसिया में आकर काम कर रहा था। आरोपी सक्ती जिले के आमपाली आया हुआ था। जहां पुलिस ने उसे पकड़ लिया। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि घटना के बाद से आरोपी फरार था। मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच की और आरोपी के खिलाफ सबूत जुटाए। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

5 महीने की प्रेग्नेंट गर्लफ्रेंड को खिलाई अबॉर्शन की दवा, मौत

फानन में युवक अपनी गर्लफ्रेंड को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया।

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में बॉयफ्रेंड ने 5 महीने की प्रेग्नेंट गर्लफ्रेंड को अबॉर्शन की गोली लिखा दी। हालत बिगड़ने पर उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराकर भाग गया। जहां इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक युवती का नाम प्रिया पावले (22) है, जो मायापुर की रहने वाली थी। मोहल्ले के ही गोलू विश्वकर्मा से करीब 5 साल से अफेयर चल रहा था। प्रिया पावले अपनी छोटी बहन, बॉयफ्रेंड गोलू विश्वकर्मा और उसके मामा मनोज विश्वकर्मा के साथ अस्पताल गई थी।

दरअसल, युवती प्रिया पावले 5 महीने की गर्भवती थी। बॉयफ्रेंड गोलू विश्वकर्मा ने 11 मई को प्रिया को अबॉर्शन की गोली खिलाई, जिससे युवती की हालत बिगड़ गई। युवती के पेट में तेज दर्द हो रहा था। आनन-फानन में युवक अपनी गर्लफ्रेंड को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया।

इस दौरान बॉयफ्रेंड गोलू विश्वकर्मा और उसके मामा मनोज विश्वकर्मा स्थिति को भांपते ही अस्पताल से भाग गए। प्रिया की छोटी बहन ही उसके साथ बच गई। अस्पताल में डॉक्टर्स ने युवती से पूछा तो पता चला कि अबॉर्शन की गोली खाई है। जानकारी मिलते ही डॉक्टर्स ने फौरन उसका इलाज शुरू किया, लेकिन युवती को राहत नहीं मिली। इलाज के दौरान रविवार शाम को प्रिया पावले की मौत हो गई।

रेत माफिया ने कॉन्स्टेबल को ट्रैक्टर से रौंदा, मौत, बलरामपुर में अवैध रेत खनन पर कार्रवाई करने पहुंचे थे पुलिसकर्मी, कुचलते हुए भागा ड्राइवर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में रेत माफियाओं ने एक आरक्षक पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया जिससे उसकी मौत हो गई। ग्राम लिबरा में कनहर नदी से अवैध रेत खनन किया जा रहा था। रविवार रात पुलिस टीम कार्रवाई के लिए पहुंची थी तभी चालक ट्रैक्टर लेकर भागने लगे। मामला सनावल थाना क्षेत्र का है।

इस दौरान सनावल थाने के आरक्षक शिव बचन सिंह (43) ने गाड़ी को रोकने की कोशिश की। ट्रैक्टर चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और आरक्षक को कुचलते हुए आगे बढ़ गया। हादसे में आरक्षक के सीने में अंदरूनी चोटें आई थीं, गंभीर रूप से घायल आरक्षक ने हॉस्पिटल लाने के दौरान रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद चालक गाड़ी लेकर फरार है।

घटना की सूचना पर सनावल थाना प्रभारी दिव्य कांत पांडेय तुरंत मौके पर पहुंचे। घायल आरक्षक शिव बचन सिंह को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजगंज लाया जा रहा था, रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने पर डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सनवाल थाना प्रभारी दिव्य कांत पांडे ने बताया कि ग्राम लिबरा में वन विभाग की टीम रेत के अवैध उत्खनन पर कार्रवाई कर रही थी। ट्रैक्टर को रोकने के दौरान यह हादसा हुआ। ट्रैक्टर चालक ने गाड़ी न रोककर आरक्षक के ऊपर चढ़ाते हुए निकल गया।

जानकारी के मुताबिक, इस क्षेत्र में झारखंड के तस्करों द्वारा बड़े पैमाने पर रेत का अवैध खनन कराया जा रहा था, जिसका लिबरा और कुसफर के ग्रामीण विरोध कर रहे थे। शनिवार शाम सनावल थाना प्रभारी की टीम ने रेत के अवैध उत्खनन में लगी तीन ट्रैक्टरों को जब्त किया था।

इस कार्रवाई के बाद रविवार रात में झारखंड के तस्करों ने रेत निकालने के लिए गाड़ियां लगाई थीं, जिसपर कार्रवाई करने के लिए वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान आरक्षक को ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी।

मामले में सरगुजा आईजी दीपक कुमार झा ने सनावल के थाना प्रभारी दिव्य कांत पांडेय को लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया है। पुलिस टीम अवैध रेत उत्खनन की सूचना पर मौके पर पहुंची थी, जहां ट्रैक्टर ने आरक्षक को टक्कर मार दी थी। सरगुजा आईजी ने कहा कि पुलिस जांच कर रही है कि घटना किन परिस्थितियों में हुई।

ग्रामीण जल आपूर्ति को लेकर विभागीय अधिकारियों ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायतकृतिलौली, फुलझर, संबोरा, गड़वार एवं मलकड़ोल में किए गए कार्यों का निरीक्षण 10 मई 2025 को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया। इस निरीक्षण में विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री ओंकार सिंह, सहायक अभियंता श्री जयंत कुमार चंदेल, उप अभियंता श्री मनमोहन सिंह, जिला परियोजना समन्वयक श्री निहाल डिक्सेना एवं जिला परियोजना समन्वयक (ढ्ढश्वष्ट) श्री नवीन कुमार शामिल हुए। निरीक्षण के दौरान सभी ग्राम पंचायतों में स्थापित सोलर संयंत्रों का भौतिक निरीक्षण किया गया एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। ज़मीनी स्तर पर कार्यों की प्रगति एवं प्रभावशीलता का मूल्यांकन कर, मिशन के सुचारू संचालन हेतु मार्गदर्शन दिया गया। जल जीवन मिशन के अंतर्गत यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित और सतत जल आपूर्ति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

सुशासन तिहार के तहत 13 मई को देवगढ़ में होगा समाधान शिविर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत नागरिकों से प्राप्त शिकायतों एवं मांगों के संबंध में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए प्रशासनिक अमला पूरी तन्मयता से कार्य कर रहा है।

सुशासन तिहार अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में समाधान शिविरों का आयोजन कर प्राप्त आवेदनों के निराकरण के संबंध में जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में 13 मई 2025 को जनुवां, बेलगांव, चरखर, सिंगरौली, डोम्हरा, देवगढ़, लरकोडा, डोगरीटोला, देवगढ़ सेक्टर में जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया जाना है, जिसमें 08 ग्राम पंचायतों के लोगों के आवेदन का समाधान किया जायेगा। जिसमें जिला के समस्त विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

सुपुर्द-ए-खाक हुए पाक गोलीबारी में शहीद एसआई इम्तियाज

छपरा। बिहार के बीएसएफ सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज को सोमवार को छपरा के नारायणपुर गांव में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इससे पहले शाम 4 बजे जनाजे की नमाज पढ़ी गई। इस दौरान सैकड़ों की भीड़ मौजूद रही। भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगे। जनाजे में जो भी दिखा सबकी आंखें नम और आवाज में जोश था। दोपहर करीब डेढ़ बजे एसआई का पार्थिव शरीर नारायणपुर गांव पहुंचा। जिस गाड़ी में उनकी बॉडी थी उसके आसपास सिर्फ लोगों का हुजूम दिख रहा था। भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगते रहे। एसआई की पत्नी शाहीन अजिमा को 2 दिन तक शहादत की खबर नहीं दी गई थी। दोपहर डेढ़ बजे शव पहुंचते ही वो बेसुध होकर गिर पड़ीं। पार्थिव देह को अभी घर में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है।

वहीं, मंगलवार को सीएम नीतीश कुमार शहीद बीएसएफ सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज के घर जाएंगे। वो शहीद के परिजनों को 21 लाख का चेक सौपेंगे। श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उनके परिवार से मिलेंगे। इस दौरान वो परिजनों को 21 लाख रुपए का चेक भी देंगे।

एमपी के 45, राजस्थान के 8 जिलों में अलर्ट

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के बीच कई राज्यों में बारिश का दौर शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने सोमवार को मध्य प्रदेश के 45 और राजस्थान के 8 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। तेज हवाओं के साथ कुछ इलाकों में ओले भी गिरने की आशंका है। राजस्थान में रविवार सुबह से भीषण गर्मी रही। दोपहर के बाद नागौर, चितौड़गढ़, कोटा सहित 10 से ज्यादा जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। मध्य प्रदेश के 8 शहरों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। राजस्थान के हनुमानगढ़ और एमपी के अशोकनगर में ओले भी गिरे। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान लगभग 15 जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया। वाराणसी 42.2 डिग्री के साथ सबसे गर्म शहर रहा। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 3 से 4 दिनों में राज्य के ज्यादातर इलाकों में तापमान में 5 से 6 डिग्री और बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने सोमवार को 20 राज्यों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना जताई है। इनमें राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, तमिलनाडु और तेलंगाना शामिल हैं।

रायपुर में ट्रक-ट्रेलर की टक्कर, 13 की मौत

रायपुर। रायपुर में रविवार देर रात मिनी ट्रक और ट्रेलर की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। 14 लोग घायल हुए हैं। ट्रक में सवार ये सभी लोग छठी के कार्यक्रम से लौट रहे थे। ट्रक खरोरा के बाना गांव से आ रहा था। बंगोली में इसे रायपुर से आ रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। मृतकों में 10 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं।

इनमें एक ही परिवार की 3 महिलाओं का एक साथ अंतिम

मुख्यमंत्री ने जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रदर्शनी का किया अवलोकन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में वर्ष-2026 तक देशभर से नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प लिया गया है। इसे पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार भी केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है।

इसी क्रम में बालाघाट जिले के पिछले दिनों नक्सल मुठभेड़ों में शामिल रहे पुलिस फोर्स, हॉक फोर्स और विशेष सशस्त्र बल के 64 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को क्रम पूर्व पदोन्नति प्रदान की गई है। राज्य सरकार का यह महत्वपूर्ण कदम पुलिसकर्मियों का हौसला बढ़ाएगा। क्रम पूर्व पदोन्नति पुलिस इतिहास में स्वर्णिम क्षण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट कभी अत्यधिक नक्सल प्रभावित 12 जिलों की सूची में शामिल था। सरकार की मंशा और पुलिस के परिश्रम से अब केंद्र सरकार ने बालाघाट को गंभीर समस्या वाली श्रेणी से बाहर कर अन्य श्रेणी में रखा है। बालाघाट में नक्सल गतिविधियों में गिरावट प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को बालाघाट के लांजी में आयोजित क्रम से पूर्व पदोन्नति अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैज लगाकर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नत कर किया और बधाई दी।

सीजफायर के 43 घंटे बाद 32 एयरपोर्ट्स खुले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 43 घंटे बाद सोमवार को 9 राज्यों के 32 एयरपोर्ट्स खोल दिए गए हैं। एयरलाइंस कंपनियों की तरफ से यात्रियों के लिए बुकिंग शुरू कर दी है। 32 एयरपोर्ट्स के लिए एयरलाइन सर्विसेज 9 मई से 15 मई की सुबह 5:29 बजे तक बंद की गई थीं। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सोमवार को प्रेस रिलीज के जरिए एयरपोर्ट्स खोलने की जानकारी दी। इसमें बताया कि 15 मई तक बंद 32 एयरपोर्ट्स अब तत्काल प्रभाव से एयरक्राफ्ट ऑपरेशन्स के लिए उपलब्ध हैं। यात्रियों को फ्लाइट्स की जानकारी के लिए एयरलाइन कंपनियों की वेबसाइटों देखने के लिए कहा गया है।

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए 7 मई को पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की थी। पाकिस्तान ने भी बॉर्डर इलाकों में जवाबी हमला किया। सिविल एविएशन मंत्रालय ने 10 मई को 9 राज्यों के 32 एयरपोर्ट्स बंद करने का निर्देश जारी किया था। तीन दिनों में 500 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द हुईं फ्लाइट बंद होने के कारण एयरलाइनों की तरफ से 500 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कर दी गई थीं। कई एयरलाइन कंपनियों ने यात्रियों को फुल रिफंड या फ्लाइट रिशेड्यूल का ऑप्शन दिया था।भारत-पाकिस्तान के बीच 10 मई तक संघर्ष चला।10 मई की शाम 5 बजे दोनों देशों ने सीजफायर (संघर्ष विराम) की घोषणा की थी।

पद्मश्री डॉ. सुब्बन्ना अय्यप्पन की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक पुलिस ने पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. सुब्बन्ना अय्यप्पन की संदिग्ध परिस्थिति में मौत की जांच शुरू कर दी है। वह शनिवार को श्रीरंगपटना के निकट कावेरी नदी में मृत पाए गए थे। 70 वर्षीय अयप्पन कृषि और मत्स्य पालन वैज्ञानिक थे और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का नेतृत्व करने वाले पहले गैर-फसल वैज्ञानिक थे। रविवार को कर्नाटक पुलिस ने बताया कि पुलिस को नदी में तैरते हुए एक शव के बारे में लोगों से सूचना मिलने के बाद उनका शव

बरामद किया गया। उनका दोपहिया वाहन नदी किनारे पाया गया और संदेह है कि अयप्पन ने नदी में छलांग लगाई होगी। हालांकि, पुलिस का कहना है पूरी जांच के बाद ही उनकी मौत के सही कारणों की पुष्टि की जा सकती है। सुब्बन्ना के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और का इंतजार किया जा रहा है।

भारत-पाक तनाव पर अमेरिका-यूके में टेंशन, विदेश मंत्रियों रुबियो-लेमी ने की आपात् बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा हालात पर ब्रिटेन से चर्चा की है और सैन्य कार्रवाई रोकने पर दोनों पड़ोसी देशों के बीच बनी सहमति को कायम रखने की जरूरत पर जोर दिया है। भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को थल, वायु और समुद्र में गोलीबारी और अन्य सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकने के लिए सहमति की घोषणा की थी। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टेमी ब्रूस ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लेमी से बातचीत की।

इसमें कहा गया, ''भारत-पाकिस्तान को लेकर बातचीत में अमेरिका और ब्रिटेन के विदेश मंत्रियों ने सैन्य कार्रवाई रोकने पर दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति को कायम रखने और

संवाद जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। विदेश मंत्री ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे संवाद और संचार में सुधार के लिए सतत प्रयास के लिए अमेरिका की ओर से समर्थन जताया।

ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों का पाकिस्तान में सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए पाकिस्तानी आतंकियों के जनाजे में वहां की सेना के सीनियर अफसर और नेता भी शामिल हुए थे। रविवार को भारतीय सेना की प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी गई।

शामिल होने वालों के नाम बताए और तस्वीर भी दिखाई। नेता ओर अफसर, लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अब्दुल रऊफ के साथ जनाजे की नमाज पढ़ते दिख रहे हैं। इनमें लेफ्टिनेंट जनरल फैयाज हुसैन, मेजर जनरल राव इमरान सरताज, मेजर जनरल मोहम्मद फुरकान

शब्बीर, पंजाब पुलिस के आईजी डॉक्टर उस्मान अनवर और सांसद मलिक अहमद शामिल हैं। भारतीय सैन्य अफसरों ने यह भी बताया कि पाकिस्तान के 11 आतंकी और सैन्य ठिकानों को बर्बाद किया गया है। सेना ने इन ठिकानों की सैटेलाइट इमेज जारी की।

एयरस्ट्राइक पर एयरमार्शल बोले- भय बिनु होय ना प्रीति,सेना ने कहा- आतंकियों के खिलाफ लड़ाई को पाकिस्तानी सेना ने अपना बना लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय सेना ने सोमवार को लगातार दूसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आर्मी से डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, नेवी से वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयरफोर्स से एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर पर 32 मिनट तक फिर जानकारी दी।

एयर मार्शल भारती ने कहा, भय बिनु होय ना प्रीति। हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। हमारी लड़ाई पाकिस्तानी मिलिट्री के साथ नहीं है। पाकिस्तान की सेना ने आतंकियों का साथ दिया, तो हमने उसका जवाब दिया। अपनी सेना के नुकसान के लिए वह खुद जिम्मेदार है। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई की शाम 5 बजे संघर्ष विराम हुआ था।

कल हमने ऑपरेशन सिंदूर की जॉइंट ऑपरेशन की डिटेल ब्रीफिंग दी थी। हमने कहा था कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। हमारी लड़ाई पाकिस्तानी मिलिट्री के साथ नहीं है। पाकिस्तान सेना ने दखलंदाजी की, हमने उसका जवाब दिया।

हमारी लड़ाई आतंकवाद और आतंकवादियों के साथ थी, 7 मई को हमने सिर्फ आतंकवादियों पर हमला किया। पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादियों का साथ दिया और हमें जवाब देना पड़ा। उन्हें जो नुकसान हुआ उसके लिए पाकिस्तानी सेना जिम्मेदार है।

हरियाणा में एक थप्पड़ के बदले शादीशुदा गर्लफ्रेंड की हत्या

झज्जर (एजेंसी)। रूड़ियावास गांव के इसी जंगल के जोहड़ में मनजीत ने हत्या करने के बाद रेखा के शव को फेंक दिया था। हरियाणा के झज्जर में बॉयफ्रेंड ने दूसरे युवक से चैटिंग को लेकर झगड़े में थप्पड़ मारने से गुस्सा होकर शादीशुदा गर्लफ्रेंड की हत्या कर दी।

उसने चुन्नी से गर्लफ्रेंड का गला घोंटा और फिर उसकी लाश लेकर कार में घूमता रहा। बाद में उसे तालाब में फेंककर वह राजस्थान भाग निकला। आरोपी के गर्लफ्रेंड से 4 महीने पहले ही अफेयर शुरू हुआ था। वह कार में गर्लफ्रेंड को ड्यूटी पर छोड़ने के लिए जाता था। हालांकि इसी कार के नंबर की वजह से पूरे हत्याकांड का खुलासा हो गया। पुलिस जांच में यह भी पता चला कि वह एक महीने पहले ही 18 साल का हुआ था। इस बारे में मृतका के परिजनों और पुलिस से बातचीत कर पूरी कहानी हासिल की। जिसमें पता चला कि महज 4 महीने के प्यार के बाद चैटिंग के झगड़े में कैसे 2 बच्चों की मां की हत्या कर दी गई।

हिसार में 39 बांग्लादेशी पकड़े

हांसी(एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बीच हरियाणा में पुलिस ने 39 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े हैं। ये सभी गैरकानूनी तरीके से हिसार के हांसी में रह रहे थे। पकड़े गए लोगों में 14 पुरुष, 11 महिलाएं और 14 बच्चे शामिल हैं।पुलिस के मुताबिक ये तोशाम रोड पर ईंट भट्टे पर मजदूरी का काम कर रहे थे। जांच में इनके पास से किसी तरह के डॉक्यूमेंट नहीं मिले हैं। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि यह बॉर्डर क्रॉस करके बांग्लादेश से आए थे। हालांकि इन्होंने यह नहीं बताया कि किसने इन्हें बॉर्डर क्रॉस कराया। इसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां जांच कर रही हैं। पुलिस का कहना है कि इन्हें वापस बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा। तब तक इन्हें दिल्ली स्थित बांग्लादेशी कैंप में डाला जाएगा। उधर, सीजफायर के बाद हालात सामान्य होने के बाद सिरसा से आज जम्मू, कटरा, अमृतसर जाने वाली हरियाणा रोडवेज की बस सेवा शुरू हो गई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा के मद्देनजर बस सेवा बंद की गई थी।

हिमाचल कांग्रेस का नया अध्यक्ष चुनेंगे राहुल गांधी

शिमला (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी हिमाचल प्रदेश में पार्टी का नया अध्यक्ष चुनेंगे। प्रदेश अध्यक्ष के साथ-साथ कैबिनेट विस्तार भी राहुल गांधी की सलाह पर होगा। राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस की गुटबाजी और कांग्रेस हाईकमान की नाकामी पर संज्ञान लिया है, क्योंकि पार्टी हाईकमान 6 महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी हिमाचल में पार्टी का नया संगठन नहीं बना पाया। इसे देखते हुए राहुल गांधी इसी

सप्ताह हिमाचल के ष्टरू समेत तमाम शीर्ष नेताओं को दिल्ली तलब करने वाले हैं। बीते 8 मई को भी राहुल ने कांग्रेस नेताओं को दिल्ली तलब किया था। मगर तब भारत-पाक के बीच तनाव की वजह से मीटिंग को पोस्टपोन कर दिया गया था।

पार्टी सूत्रों का कहना हैं कि इसी सप्ताह दिल्ली में राहुल गांधी मीटिंग लेंगे। इसमें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, पूर्व में प्रदेश अध्यक्ष रहे सभी नेताओं और सभी कैबिनेट मंत्रियों को बुलाया जाएगा। इस दौरान नए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ साथ कैबिनेट विस्तार को लेकर भी चर्चा होगी।

सीएम उमर अब्दुल्ला बोले- पाकिस्तानी गोलाबारी के कारण घर छोड़कर गए लोग अब वापस लौट सकते हैं

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में हाल की पाकिस्तानी गोलाबारी से युद्ध जैसे हालात पैदा हुए और जो लोग अपने घर छोड़ गए थे, वे वापस आ सकते हैं क्योंकि दोनों देशों के बीच अब एक सैन्य सहमति बन गई है। अब्दुल्ला ने पाकिस्तानी सेना के जारी दुष्प्रचार को भी खारिज करते हुए कहा कि पड़ोसी देश

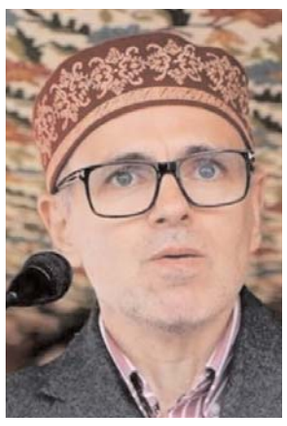

इसे जारी रखेगा, लेकिन वास्तविकता दुनिया को पता है। अब्दुल्ला ने कहा, ''उन्हें (सीमावर्ती निवासियों को) अब अपने घर लौटने का प्रयास करना चाहिए। पुंछ शहर का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा खाली है। जब गोलाबारी हो रही थी, तब वे अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित जगहों पर चले गए थे। अब गोलाबारी बंद हो गई है, तो वे अपने घरों को लौट सकते हैं।

दिल्ली में जहरीले धुएं का कहर-एक ही परिवार के चार सदस्य अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के संगम पार्क इलाके में एक विनिर्माण इकाई से निकले जहरीले धुएं के कारण एक ही परिवार के चार सदस्यों की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सोमवार सुबह की है, जब पीड़ित परिवार बाइक हॉर्न बनाने वाली फैक्ट्री में पहुंचा था।

दिल्ली के संगम पार्क इलाके में एक बाइक हॉर्न निर्माण इकाई में जहरीले धुएं से एक ही परिवार के चार सदस्य बीमार हो गए। सभी को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया और उनकी हालत अब स्थिर है। पुलिस ने शेड को सील कर जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी एक बच्चे द्वारा रिश्तेदारों को सूचना देने पर सामने आई।

पुलिस के अनुसार, घटना डीएसआईडीसी शेड नंबर 63 में स्थित एक बाइक हॉर्न विनिर्माण इकाई में हुई। यूनिट के मालिक हरदीप सिंह अपनी पत्नी हरप्रीत कौर (38 वर्ष), बेटे जगदीश सिंह (16 वर्ष) और बेटी

हरगुल कौर (15 वर्ष) के साथ शेड पर पहुंचे थे। कुछ समय बाद चारों की तबीयत बिगड़ने लगी और सभी बेहोश जैसे हो गए।

घटना की जानकारी तब मिली जब परिवार के एक बच्चे ने रिश्तेदारों को फोन कर इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस नियंत्रण कक्ष और आपातकालीन सेवाओं को सतर्क किया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि चारों पीड़ित गंभीर स्थिति में थे।

बीएसएफ जवान की रिहाई के लिए करेंगी हरसंभव प्रयास :ममता

कोलकाता(एजेंसी)।'पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा हिरासत में लिए गए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कांस्टेबल पूर्णम कुमार साहू की पत्नी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनसे फोन पर बात की और उनके पति की रिहाई के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है। बीएसएफ जवान की पत्नी रजनी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने रविवार शाम को उन्हें फोन किया। इससे पहले रजनी ने अपने पति की रिहाई की कोशिश में तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग करते हुए उनसे मिलने की इच्छा व्यक्त की थी।

पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में तैनात साहू (40) 23 अप्रैल को अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गए थे और बाद में उन्हें 'पाकिस्तान रेंजर्स% ने हिरासत में ले लिया था। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में रिशरा

की निवासी रजनी ने संवाददाताओं से कहा, ''मुख्यमंत्री ने मेरे स्वास्थ्य के बारे में भी पूछा और मुझे आश्वासन दिया कि आवश्यकता पड़ने पर वह मेरे ससुराल के बुजुर्ग लोगों के लिए चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करेंगी। उन्होंने मेरे पति की रिहाई के लिए हरसंभव प्रयास करने का भी आश्वासन दिया। रजनी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए बनी सहमति के बाद उन्होंने बीएसएफ अधिकारियों से बात की है लेकिन उन्हें अभी तक कोई ताजा जानकारी नहीं मिली है। बीएसएफ कर्मी की पत्नी ने उम्मीद जतायी कि उनके पति को उस 'पाकिस्तानी रेंजर के साथ संभावित अदला-बदली के जरिए वापस लाया जा सकेगा

जिसे तीन मई को राजस्थान में भारतीय बलों ने पकड़ा था। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि उन्होंने साहू की रिहाई के संबंध में बीएसएफ के महानिदेशक से शनिवार शाम को बात की थी।

इंग्लैंड दौरे के लिए 23 मई को भारतीय टीम की घोषणा कर सकती है बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए 23 मई को भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। टेस्ट सीरीज के चयन के लिए चयनसमिति की बैठक 23 मई या इससे पहले होनी है। इसके बाद 23 मई को ही टीम की भी घोषणा होगी क्योंकि इंडिया ए का टूर भी इसमें शामिल है, जिसके लिए भी टीम चुनी जाएगी। इंडिया ए से भी कुछ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिल सकती है। इग्लैंड दौरे किए भारतीय टीम के 6 जून को इंग्लैंड रवाना होने की संभावना है। इस दौरे से ठीक पहले टीम के कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास लेने और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास की इच्छा जताने से बोर्ड का काम और कठिन हो गया है। इसी को देखते हुए बोर्ड ने अभी विराट को टीम में बने रहने के लिए कहा है। बीसीसीआई चाहती है कि विराट कुछ समय तक खेलते रहें। बीसीसीआई ने नए टेस्ट कप्तान की घोषणा के लिए एक मीडिया कॉन्फ्रेंस भी रखी है। इसकी तारीख और स्थल का फैसला अभी नहीं हुआ है। बीसीसीआई के लिए चयन से जुड़ी सबसे बड़ी परेशानी ये है कि ये अगर विराट भी नहीं खेलते हैं तो उनकी जगह किसे शामिल किया जाये। विराट हालांकि पिछले कुछ समस से फार्म में नहीं है पर वह सबसे अनभवी खिलाड़ी हैं।

मंधाना की रिकार्ड शतकीय पारी से भारतीय महिला टीम ने त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज जीती

कोलंबो (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के रिकार्ड शतक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज जीत ली है। भारतीय टीम ने रविवार को हुए फाइनल मुकाबले में श्रीलंकाई टीम को 97 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय महिला टीम ने सात विकेट पर 342 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम केवल 245 रनों पर ही आउट हो गयी।

इस मैच में मंधाना ने 101 गेंदों पर 15 चौके और दो छक्के लगाकर 116 रन की शानदार पारी खेली। पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी उन्होंने अर्धशतक लगाया था। उन्होंने श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापथु के खिलाफ लगातार चार चौके लगाकर एकदिवसीय करियर का 11वां शतक पूरा किया.

इस मैच में मंधाना ने एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम किये।

इसमें अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट के फाइनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का भी रिकार्ड है। वहीं एकदिवसीय में वह सबसे ज्यादा चौके व छक्के लगाने वाली बल्लेबाज भी बनी हैं। इस मैच में सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल 30 के साथ मंधाना ने 89 गेंद में 70 रन की साझेदारी टूटने के बाद तेजी से रन बनाये। उन्होंने शानदार स्वीप शॉट लगाकर अपना अर्धशतक लगाया। मंधाना ने हरलीन देओल 47 रन के साथ साथ दूसरे विकेट के लिए 106 गेंद में 120 रन बनाये।

कॉनराड तीनो प्रारुपों में दक्षिण अफ्रीका के कोच बने

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने शुकरी कॉनराड को सभी प्रारुपों के लिए अपनी टीम का कोच बनाया है। पहले वह टेस्ट टीम के ही कोच थे। वहीं अब कॉनराड 2027 आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप तक सीमित ओवर की टीम के भी कोच बने रहेंगे। । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा है कि 2023 से दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम का कोच पद संभल रहे कॉनराड को रॉब वाल्टर की जगह पर सीमित ओवरों की टीम को भी कोच बनाया गया है। वाल्टर ने चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपना पछ छोड़ दिया था। अब नये कोच कॉनराड की पहली परीक्षा जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में होगी। सीएसए के राष्ट्रीय टीमों और हाई परफार्मेंस निदेशक एनोच एनक्वे ने कहा, 'टेस्ट टीम के साथ शुकरी का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। उन्होंने टेस्ट प्रारूप में टीम को काफी मजबूत किया है। इसलिए उन्हें सीमित ओवर के प्रारूप की जिम्मेदारी दी गयी है।

गौरतलब है कि कॉनराड कोच रहते ही दक्षिण अफ्रीका अपने पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूयटीसी) फाइनल में पहुंच गया है। उसे 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स, लंदन में खिताब के लिए गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से खेलना है।

विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट रिकॉर्ड्स, जिन्हें तोड़ पाना हर किसी के लिए असंभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के दिग्गज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 14 साल तक टेस्ट क्रिकेट में अपनी बादशाहत कायम करने वाले कोहली ने 12 मई 2025 को इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, बेहतरीन कप्तानी और विपक्षी टीम से जीत छीनने की काबिलियत के लिए मशहूर कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में कई ऐसे रिकॉर्ड बनाए, जिन्हें तोडना भविष्य में किसी भी खिलाड़ी के लिए बेहद मुश्किल होगा। कोहली ने भारत की टेस्ट टीम की कमान संभालते हुए 68 मैचों में कप्तानी की और इस दौरान 40 बार टीम को जीत दिलाई। उनके नेतृत्व में भारत को सिर्फ 17 मैचों में हार झेलनी पड़ी। ये रिकॉर्ड उन्हें भारत का सबसे सफल टेस्ट कप्तान बनाता है। उनसे पहले एमएस धोनी ने 60 टेस्ट मैचों में 27 जीत हासिल की थी। कोहली का ये रिकॉर्ड इतना मजबूत है कि इसे तोड़ना किसी भी नए कप्तान के लिए एक बड़ी चुनौती होगा।

इसके अलावा विराट कोहली ने अपने टेस्ट करियर में 123 मैचों की 210 पारियों में 9,230 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 7 दोहरे शतक निकले, जो किसी भारतीय टेस्ट कप्तान द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। खास बात ये है कि अपने करियर के पहले पांच सालों में कोहली ने एक भी दोहरा शतक नहीं लगाया था, लेकिन 2016 केबाद उन्होंने इस मामले में रिकॉर्ड्स की

झड़ी लगा दी। 7 दोहरे शतक के साथ वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले एकलोते भारतीय टेस्ट कप्तान हैं।

ये रिकॉर्ड भी उनके टेस्ट करियर की सबसे बड़ी पहचान बन गया है, जिसे भविष्य में तोड़ना आसान नहीं होगा।

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में अपनी कप्तानी से एक नया इतिहास भी रचा था। उन्होंने भारतीय टीम की कमान 68 टेस्ट मैचों में संभाली जो किसी भी भारतीय कप्तान के द्वारा सबसे ज्यादा है। इस दौरान टीम इंडिया ने 40 मैच जीते, 17 हार, और 11 ड्रॉ रहे। इसके साथ ही उनकी कप्तानी में टीम इंडिया की जीत का प्रतिशत 58.82 रहा, जो उनकी नेतृत्व क्षमता का एक बेहतरीन नमूना है।

फ्रेंच ओपन के लिए फार्म हासिल करना चाहते हैं जोकोविच

लंदन (एजेंसी)। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का लक्ष्य 25 मई से शुरु होने वाले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले अपना फार्म हासिल करना है। इसी कारण 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने जिनेवा ओपन में वाइल्डकार्ड वे प्रवेश लिया है। जिससे वह अपना फॉर्म और फिटनेस हासिल कर सकें। जोकोविच का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है। मोंटे कार्लो और मैड्रिड ओपन में शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए थे, और अपने पिछले तीन मैच लगातार हार चुके हैं। वहीं उन्होंने इस बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट रोम ओपन से नाम वापस ले लिया था

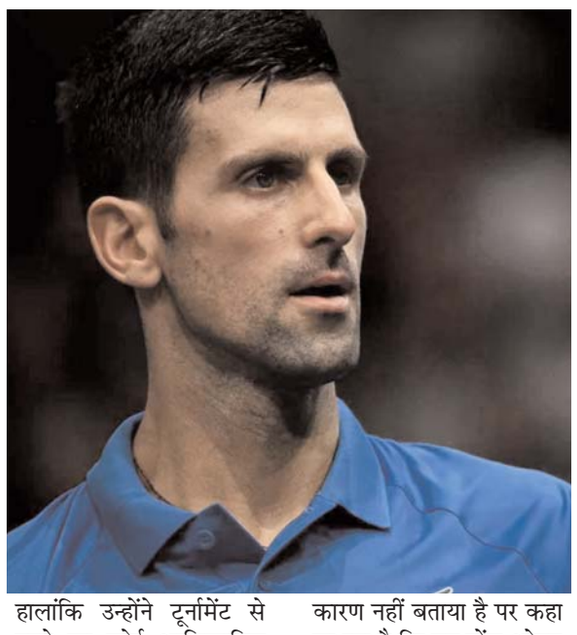

हालांकि उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है पर कहा जा रहा है कि वह फ्रेंच ओपन की तैयारियों पर ही ध्यान देना चाहते हैं। जोकोविच का यह सत्र अब तक अच्छा नहीं रहा है। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे पर जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ चोटिल होन के कारण बीच में ही उन्हें हटना पड़ा था। इसके बाद मियामी ओपन में वापसी से पहले उन्हें लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। यहां तक कि चेक गणराज्य के युवा खिलाड़ी जैकब मेनसिक से भी वह हार गये थे। उनके नाम अब तक 99 एटीप एटीपी खिताब है और वह उनका लक्ष्य फ्रेंच ओपन जीतकर सौवां एटीपी खिताब अपने नाम करना रहेगा।

इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया के साथ जाएंगे शार्दुल ठाकुर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया-इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से खेली जाएगी और इसके लिए टीम इंडिया का ऐलान 23 मई को किया जा सकता है। क्रिकबज के मुताबिक भारतीय टेस्ट टीम में शार्दुल ठाकुर को मौका दिया जा सकता है। जबकि सरफराज खान का पत्ता कट सकता है।

इसके अलावा भारत ए टीम को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज खेलना है। क्रिकबज के मुताबिक रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने से एक दिन पहले 6 मई को मुंबई के क्रिकेट सेंटर में चयनकर्ताओं की एक बैठक हुई थी और चयनकर्ताओं ने उस दिन भारत ए टीम के चयन को अंतिम रूप दे दिया था। 13 मई को इसकी घोषणा होने की उम्मीद है, जिसमें अभिमन्यु ईश्वरन कप्तानी के लिए प्रमुख उम्मीदवार हैं। हालांकि, इंडिया ए टीम में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं।

भारत ए को तीन मैच खेलने हैं- दो इंग्लैंड लायंस के खिलाफ और एक सीनियर इंडिया टीम के खिलाफ। नए कप्तान के साथ सीनियर इंडिया टीम का चयन 23 मई को होने की उम्मीद है। भारत ए टीम का चयन करना चयनकर्ताओं के लिए आसान नहीं है, क्योंकि आईपीएल के स्थगित होने से समस्याएं और भी बढ़ गई हैं। भारतीय गैर-आईपीएल खिलाड़ी और उन टीमों के खिलाड़ी शामिल हों जो पहले मैच के लिए आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने की उम्मीद है, और दूसरे-तीसरे मैच के लिए इंग्लैंड में उनके साथ और भी खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं।

अभिमन्यू ईश्वरन के अलावा इंडिया ए की शुरुआती टीम में चयन के लिए तनुष कोटियन, बाबा इंद्रजीत, आकाश दीप, करुण नायर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। ध्रुव जुरैल और नितीश रेड्डी शुरू में ए टीम का हिस्सा होंगे और बाद में उन्हें सीनियर टीम में शामिल किया जाएगा। शार्दुल ठाकुर का सीनियर टीम में शामिल होना तय है।

2027 एकदिवसीय विश्वकप क्वालीफाई करने इंग्लैंड को जीतनी होगी विस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम अपने नए कप्तान हैरी ब्रूक के नेतृत्व में अब वेस्टइंडीज के खिलाफ इसी माह शुरु होने वाली एकदिवसीय सीरीज में बड़ी जीत दर्ज कर 2027 विश्वकप के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में बने रहने उतरेगी। इसका कारण ये है कि इंग्लैंड की टीम के लिए 2027 एकदिवसीय विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना मुश्किल होता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद(आईसीसी) की एकदिवसीय रैंकिंग में वह आठवें नंबर पर खिसक गयी है। इंग्लैंड की टीम रैंकिंग में श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भी नीचे आठवें स्थान पर आ गयी है। उसके केवल 84 रेटिंग अंक हैं। ऐसे में उसके लिए क्वालीफाई करना करना कठिन होता जा रहा है।

ऐसे में वेस?टइंडीज के साथ 29 मई से 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज उसके लिए अहम। इस सीरीज में अगर वह जीती तो सातवें नंबर पर पहुंच जाएगी। वहीं अगर इस सीरीज में वेस?टइंडीज जीतती है तो इंग?लैंड टीम 9वें पायदान पर पहुंच जाएगी। इससे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में उसे और भी मुश्किलें आयेंगी, ऐसे में उसका लक्ष्य इस सीरीज में किसी भी प्रकार बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। अगर इंग्लैंड रैंकिंग के जरिए सीधे क्वालीफाई नहीं कर पाता है, तो उसे पहली बार विश्व कप क्वालीफायर खेलना पड़ सकता है। इंग्लैंड की टीम पिछले एक साल में 14 एकदिवसीय में से केवल तीन ही जीती है। इससे उसे रेटिंग अंक घटकर 84 हो गये हैं।

एकदिवसीय विश्व कप 2027 में 14 टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें सह मेजबान होने के कारण जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका को पहले ही टूर्नामेंट के लिए प्रवेश मिल गया है। इसके अलावा एकदिवसीय रैंकिंग की शीर्ष आठ टीमों को ही टूर्नामेंट में अवसर मिलेगा।

रोहित एकदिवसीय में सर्वश्रेष्ट पर टेस्ट में नहीं-आर्थटन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल आर्थटन ने कहा है रोहित शर्मा एकदिवसीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी हैं पर टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन इतना अच्छा नहीं कहा जा सकता है। आर्थटन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट में उनके आंकड़ों को देखकर ये कहा जा सकता है कि वह सफल हैं पर सर्वश्रेष्ठ नहीं हैं। आर्थटन के अनुसार उनका टेस्ट करियर दो हिस्सों में रहा है। उन्हें टेस्ट में देर से अवसर मिला। ऐसे में उन्होंने 40 से कुछ ऊपर की औसत और 12 शतक लगाये है जिसे अच्छा तो कहा जा सकता है पर ये बेहतरीन रिकार्ड नहीं माना जा कसता है। रोहित ने एक दशक पहले नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करते हुए 67 टेस्ट में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 था, जो 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाया था। उनका टेस्ट करियर 2013 में कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रनों की पारी के साथ शुरू हुआ। शुरुआत में को टेस्ट प्रारूप में अपनी जगह पक्की करने में परेशानी आई। साल 2013-18 तक, उन्होंने 27 टेस्ट में 39.63 की औसत से 1,585 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक थे। दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में हालांकि उन्हें रनों के लिए संघर्ष करन पड़ा। डब्ल्यूटीसी के 40 टेस्ट में उन्होंने 41.15 की औसत से 2,716 रन बनाए, जिसमें 9 शतक और 8 अर्धशतक शामिल हैं। आर्थटन ने कहा कि रोहित का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से खराब था, ऐसे में उनपर चयनकर्ताओं का भी दबाव था। रोहित ने अपने आखिरी आठ टेस्ट में केवल 164 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक शामिल था। आर्थटन ने कहा कि चयनकर्ता आगे बढ़ने का फैसला कर चुके थे। ऐसे में रोहित के पास कोई विकल्प नहीं था। रोहित की कप्तानी में भारत ने हाल के 6 में से 5 टेस्ट हारे, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 2 हार शामिल हैं। इस प्रकार के आंकड़ों के साथ कोई भी कप्तान अपनी जगह बनाये नहीं रख सकता।

बांगर ने बताया ऋषभ के असफल होने का कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान और आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह रन बनाने में असफल रहे हैं। इसी को लेकर अब बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने ऋषभ की गलती बतायी है। कोच ने कहा है कि शॉट चयन में बदलाव के कारण ही वह रन नहीं बना पा रहे हैं। बांगर ने कहा कि वह गेंद को सीधे खेलने की बजाय विकेट के पीछे और कई प्रकार के असामान्य शॉट्स खेलने के प्रयास में विकेट गंवाते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि उन्होंने 11 मैचों में केवल 128 रन बनाए हैं। है। इससे उनकी टीम को भी नुकसान उठाना पड़ा है।

बांगर ने कहा कि उन्होंने लगता है अभी तक 50 ओवरों के व्हाइट-बॉल क्रिकेट और टी20 को पूरी तरह से समझा नहीं है। वे टेस्ट में शानदार बल्लेबाज हैं, इसमें कोई शक नहीं पर इस सत्र में मैंने देखा कि वे कई बार विकेट के पीछे शॉट्स खेलने की कोशिश में आउट हुए।

बांगर ने कहा कि इस क्रिकेटर सर्वश्रेष्ठ पारियों को देखें तो वह कवर ड्राइव, पिच पर आगे बढ़कर साइटस्क्रीन की ओर शॉट या मिडविकेट के ऊपर अधिक रन बनाते आये हैं पर इस बार आईपीएल में उन्होंने रिवर्स स्वीप या बहुत फाइन शॉट्स खेलने के प्रयास किय हैं। एक बल्लेबाज के रूप में, मुझे लगता है कि वे भूल गए कि उनका सर्वश्रेष्ठ खेल तब है जब वे सीधा खेलकर स्कोर करने का प्रयास करते हैं।बांगर ने कहा कि अगर आप सीधा स्कोर करने की कोशिश करते हैं, तो बाकी क्षेत्र खुल जाते हैं पर अगर आप केवल पीछे की ओर स्कोर करने की सोचते हैं, तो सामने की गेंदों पर आप देर से पहुंचते हैं और मुश्किल में पड़ जाते हैं। वहीं इससे पहले, पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने भी कहा था कि उन्हें अपनी शॉट चयन को ठीक करते हुए अपने बेसिक्स पर वापस जाना चाहिए। साथ ही कहा था कि आप हर बार आक्रामक शॉट्स से मुश्किल से बाहर नहीं निकल सकते।

उप मुख्यमंत्री ने 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले रीवा संभाग के 66 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

'जिद, जुनून एवं जज्वे से बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है'

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जिद, जुनून एवं जज्वे से बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। मध्यप्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले रीवा संभाग के विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिया है कि विन्ध्य का भविष्य सुनहरा है और आने वाले दिनों में यह विद्यार्थी अपना योगदान देंगे। उप मुख्यमंत्री ने माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले रीवा संभाग 66 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय रीवा परिसर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि इस उपलब्धि के लिए रीवा संभाग की चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है। उन्होंने प्रतीभाशाली बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा कहा कि संस्कारवान शिक्षा ही सर्वोत्तम है। शिक्षित होकर संस्कारवान बनें और आगे बढ़ते रहें। शुक्ल ने कहा कि जीवन में निराश न हों। सफलतायें एवं असफलतायें मिलती रहती हैं अपने लक्ष्य के लिए हमेशा प्रयासरत रहें। उन्होंने कहा कि इन बच्चों ने जो अपने अनुभव बताये हैं उससे यह सिद्ध होता है कि इन्हें आगे बढ़ने का मंत्र प्राप्त हो गया है। आगे की शिक्षा में इसी लगन और मेहनत से लगे रहे। उन्होंने रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद द्वारा शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए संभाग में प्रारंभ किये गये आपरेशन निखार की प्रशंसा की जिसके सार्थक परिणाम सामने आये हैं। उन्होने कहा कि प्रशासन के साथ-साथ शिक्षा विभाग के शिक्षकों व अन्य अधिकारियों ने रीवा संभाग में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए समन्वित प्रयास किया है जो बधाई के पात्र हैं। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रतिभाशाली बच्चों से अन्य बच्चे भी प्रेरणा लेगें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि विद्यार्थियों में घमण्ड व अतिरेक की भावना न जागृत हो। आत्मविश्वास कायम रहे जीवन में सफलता के लिए विनम्रता, लगन एवं निष्ठा आवश्यक है जो विद्यार्थियों को समग्रता देती है। मिश्र ने कहा कि समाज में इन प्रतिभाओं की आग्रणी भूमिका रहेगी। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रतिभावान छात्र अन्य विद्यार्थियों को भी मार्गदर्शन दें और उनको भी आगे बढ़ाने में मददगार हों। सांसद ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कमिश्नर रीवा संभाग द्वारा किये गये नवाचार की प्रशंसा की। जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षकों और गुरूजनों के प्रयासों से ही बच्चों ने सफलता प्राप्त की है और विन्ध्य का नाम रोशन किया है जिससे हम सब गौरवांवित महसूस कर रहे हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि विन्ध्य में व्यवस्थाओं के बदलाव से प्रदेश में गौरव के साथ उत्कृष्ट स्थान प्राप्त हुआ है। स्कूल शिक्षा विभाग व प्रशासन के समन्वित प्रयास से विन्ध्य का नाम रोशन हुआ है। उन्होंने मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई दी।

इस अवसर पर कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद ने कहा कि रीवा का इतिहास शिक्षा के क्षेत्र में समृद्धशाली रहा है। इन प्रतिभावान विद्यार्थियों ने इसमें और चार चाँद लगा दिये हैं। उन्होंने कहा कि सम्मान समारोह में सभी को गौरव का अनुभव हो रहा है। छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं उनके परिजनों को इस सफलता के लिए बहुत-बहुत बधाई। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के 66 बच्चों ने मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। आप सभी मंजिल पर कायम रहते हुये लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सतत प्रयत्नशील रहें। इससे पूर्व कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में सिंगरौली की प्रज्ञा जायसवाल, सतना की प्रियल द्विवेदी, सीधी के दिव्यांशु तिवारी तथा रीवा के अंकुर यादव ने अपने अनुभव बताते हुए सफलता के लिए माता-पिता व गुरूजनों के योगदान का श्रेय दिया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए संयुक्त संचालक लोक शिक्षण केपी तिवारी ने बताया कि कक्षा 10वीं की प्रदेश की प्रावीण्य सूची में संभाग के 39 तथा कक्षा 12वीं की सूची में संभाग के 27 विद्यार्थियों ने अपना स्थान बनाया है। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी सतना टीपी सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी सीधी केपी सिंह, सिंगरौली के सहायक संचालक आरडी साकेत, माखनलाल विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ला, समाजसेवी राजेश पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी तथा उनके परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार जिला शिक्षा अधिकारी रीवा सुदामालाल गुप्ता ने ज्ञापित किया।

सतना में महिला को गोली मारी, गर्दन में फंसी, पति के साथ बाजार गई थी

पड़ोसी ने किया हमला, तीन पकड़ाए

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के कोलगवां थाना क्षेत्र की नई बस्ती में एक महिला को गोली मार दी गई। सोमवार शाम पीड़िता अनीता सिंह बरगाही अपने पति ईश्वर सिंह बरगाही के साथ सामान खरीदने गई थी। इसी दौरान मोहल्ले के रवि रैकवार, नितिन सोंधिया और अतुल सोधिया ने उन पर हमला कर दिया।

गोली महिला की गर्दन में लगी है और वह अभी भी उसमें फंसी हुई है। गंभीर स्थिति में परिजन उन्हें अस्पताल ले गए। घटना की सूचना मिलते ही सीएसपी महेन्द्र सिंह चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अस्पताल जाकर पीड़िता का हाल जाना।

आरोपियों और पीड़ित परिवार के बीच पहले से विवाद चल रहा था। बरगाही परिवार ने इस संबंध में कई बार कोलगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसी रंजिश में आरोपियों ने शाम करीब 7 बजे यह वारदात की।

सीएसपी महेंद्र सिंह ने बताया कि महिला का इलाज चल रहा है। पीड़िता द्वारा जो नामजद आरोपी बताए गए हैं उनमें से 3 आरोपियों को पकड़ लिया गया है। बाकी की तलाश हो रही है। पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोली लगी है या चाकू।

मैहर में बारातियों से भरी बोलेरो पिकअप पलटी, 12 लोग घायल

6 की हालत गंभीर, तेज रफ्तार के कारण हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र के पटना गांव के पास सोमवार को शादी समारोह से लौट रहे बारातियों से भरी बोलेरो पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 12 लोग घायल हो गए, जिनमें से 6 की हालत गंभीर बनी हुई है। दुर्घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार बिजयराघवगढ़ (कटनी) निवासी करण सिंह के यहां से बारात रामनगर के जुडमानी गांव में कल्लू सिंह के घर आई थी। विवाह समारोह सम्पन्न होने के बाद सभी बाराती बोलेरो पिकअप वाहन में सवार होकर वापस लौट रहे थे। पटना गांव के पास अचानक वाहन तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसे में घायल सभी लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर में भर्ती कराया गया है। 108 एंबुलेंस के पायलट मनोज पटेल और ईएमटी शिवानी कुशवाहा की टीम ने मौके पर पहुंचकर तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों की पहचान पुष्पराज सिंह, मोहित सिंह, राहुल सिंह, करण सिंह, बलराज सिंह और दिलराज सिंह के रूप में हुई है। रामनगर पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि पिकअप की गति अधिक थी, जिससे चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन पलट गया।

पत्नी ने पति को गला दबाकर मारा, दोनों में होता था झगड़ा

पुलिस ने प्रेम प्रसंग का मामला बताया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में एक युवक की हत्या का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, पत्नी ने अपने पति का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। माना जा रहा है कि पत्नी का किसी दूसरे युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था और उसी के चलते उसने अपने पति की हत्या कर दी।

फिलहाल पुलिस ने युवक की पत्नी और उसके संदेही प्रेमी को हिरासत में लिया है जिनसे घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। मामला गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत हरदी गांव में सोमवार को सामने आया। जहां पर मोहन साकेत (28) की गला दबाकर उसकी पत्नी ने हत्या कर दी।

घटना की जानकारी लगते ही पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। बताया गया कि पत्नी का किसी दूसरे युवक से प्रेम-प्रसंग था। आए दिन दोनों के बीच विवाद होता था और इसी के चलते पत्नी ने अपने पति की हत्या कर दी।

एडिशनल एसपी विवेक लाल ने बताया कि, फिलहाल पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके संदेही प्रेमी को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। मामले की जांच की जा रही है।

कमिश्नर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से की सिविल डिफेंस तैयारियों की समीक्षा

हर आपात स्थिति के लिए सजगता से तैयार रहें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। देश की वर्तमान स्थितियों तथा आपरेशन सिंदूर को ध्यान में रखकर रीवा संभाग के सभी जिलों में सिविल डिफेंस की तैयारियाँ कर ली गयी हैं। कमिश्नर बीएस जामोद ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से तैयारियों की जिलेवार समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी जिलों में शासन के निर्देशों के अनुरूप सिविल डिफेंस की अच्छी तैयारी कर ली गयी है। प्रत्येक ग्राम पंचायत तथा नगरीय क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड से सिविल डिफेंस, वालेंटियर्स चुनकर उन्हें प्रशिक्षण दें। प्रमुख औद्योगिक संस्थानों तथा संवेदनशील स्थालों का निरीक्षण कर ले। इन स्थानों में आपदा प्रबंधन और नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर मौक ड्रिल भी कर लें। सभी कलेक्टर आपदा प्रबंधन के लिए नोडल तथा सहायक नोडल अधिकारी तैनात कर दें।

अधिकारियों को निर्देश देते हुए कमिश्नर ने कहा कि सभी जिलों में प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में सायरन की व्यवस्था कर लें। वालेंटियर्स के रूप में पूर्व सैनिक, एनसीसी, एनएसएस, सेवानिवृत्त पुलिस कर्मी तथा ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों एवं विद्यार्थियों को शामिल करें। इन्हें आपदा प्रबंधन का पूरा प्रशिक्षण दें। सभी जिलों में कम्युनिकेशन प्लान के फोन नंबरों को अपडेट कर दें। आपदा प्रबंधन से जुड़े प्रमुख विभागों के अधिकारियों का व्हाटसएप ग्रुप भी बना लें। आपातकाल में उपचार व्यवस्था देने के लिए सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पतालों में भी पूरी व्यवस्था कर लें। ब्लड बैंक में उपलब्ध खून की प्रतिदिन समीक्षा करें। ब्लड बैंक में पर्याप्त खून उपलब्ध रहे। इसके लिए समुचित प्रयास करें। जिले में फायरब्रिगेड को चुस्त दुरूस्त रखने के साथ सभी प्रमुख सार्वजनिक भवनों में आग बुझाने की समुचित व्यवस्था करें। होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशाला आदि में रूकने वाले की प्रतिदिन सूची थाने के माध्यम से प्राप्त करें।

कमिश्नर ने कहा कि सभी जिलों में कंट्रोल रूम 24 घण्टे खुले रहें। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बड़े औद्योगिक संस्थान तथा प्रमुख धार्मिक स्थलों में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था रखें। ब्लैकआउट के संबंध में शासन द्वारा जारी प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करें। खाद्यान्न भण्डारण तथा वितरण के संबंध में भी आवश्यक व्यवस्थाऐं करें। विस्फोटक के भण्डारण स्थालों का भी निरीक्षण अनिवार्य रूप से करायें। प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से एक बजे की बीच आपदा प्रबंधन के संबंध में वस्तु स्थिति की जानकारी ली जायेगी। सोशल मीडिया तथा अन्य संचार माध्यमों में तथ्यहीन और आफवाह फैलाने वाली पोस्ट पर कड़ी कार्यवाही करें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में डीआईजी राजेश सिंह ने कहा कि प्रमुख स्थलों पर मॉकड्रिल आवश्यक करें। ब्लैकआउट की स्थिति में कार्यालयों एवं पुलिस थानों में बिजली और प्रकाश की वैकल्पिक व्यवस्था करें। पेट्रोल पंपों की भी सतत निगरानी करें। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल ने कहा कि सिविल डिफेंस के संबंध में आवश्यक तैयारी कर ली गयी है। आपदा प्रबंधन के संबंध में आदेश और निर्देश जारी कर दिये गये हैं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कलेक्टर सतना सतीश कुमार यश, कलेक्टर मैहर रानी वाटड, कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन, कलेक्टर सीधी स्वरोचिस सोमवंशी तथा कलेक्टर सिंगरौली चन्द्रशेखर शुक्ला ने सिविल डिफेंस की गयी तैयारियों की जानकारी दी। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक, अपर कलेक्टर तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे। कमिश्नर कार्यालय में संभागीय होमगार्ड जेएस पर्न्दे, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त श्रेयस गोखले उपस्थित रहे।

अमरपाटन में कार ने बाइक को मारी टक्कर, मासूम की मौत

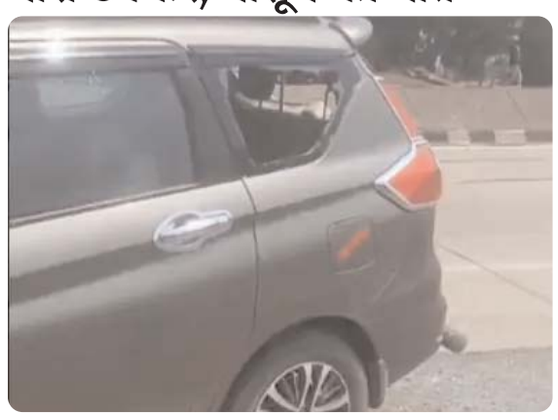

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। अमरपाटन थाना क्षेत्र में एनएच 30 पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। ग्राम रिगरा के पास एक तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में एक मासूम की मौत हो गई।

बाइक पर सवार अशोक पटेल (28), उनका बेटा आयु पटेल (10) और भांजा अनुज पटेल (6) घायल हो गए। तीनों केजीएस स्कूल जा रहे थे। तभी टक्कर हुई। हाईवे एम्बुलेंस 1033 ने घायलों को सिविल अस्पताल अमरपाटन पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रीवा रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान अनुज (6) की मौत हो गई।

घटना के बाद कार चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। नादन देहात थाना पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश कर रही है। घायल अशोक पटेल दुबेही के रहने वाले हैं और वे अपनी बाइक से बच्चों को स्कूल ले जा रहे थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।